दैनिक

# जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

n वर्ष : 11 अंक : 75 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शनिवार 04 अप्रेल, 2026 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162

# भजनलाल शर्मा डेयरी क्षेत्र को समृद्ध और विकसित कर किसानों को संबल देने का कर रहे भरपूर प्रयास : सीएमओ में बैठक

**भजनलाल शर्मा की नीतियों और निर्णय से पिछले सवा दो साल में प्रदेश के डेयरी क्षेत्र ने विकास की बुलंदियों को छुआ, दुग्ध उत्पादन और वितरण में जबरदस्त तरीके से आई तेजी, पशु पालक कृषक की आमदनी में भी हुई जोरदार वृद्धि, सरस डेयरी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हासिल किया कई पुरस्कार**

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(का.सं.)।** प्रदेश में खेती और पशुपालन दोनों किसान परिवार से सीधा जुड़े हुए हैं इसलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश में खेती के साथ-साथ पशुपालन पर भी पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं ताकि किसान की इनकम में वृद्धि हो और प्रदेश के डेयरी क्षेत्र को और मजबूती और संबल मिल सके इसलिए पिछले सवा दो साल में प्रदेश की भजनलाल सरकार ने प्रदेश के डेयरी क्षेत्र को भी समृद्ध और विकसित करने की दिशा में कई बड़े कदम उठाए हैं जिसके अच्छे परिणाम भी सामने आए हैं जिसमें एक तरफ पशुपालक कृषक की इनकम में जबरदस्त इजाफा हुआ है तो दूसरी तरफ दुख उत्पादन और वितरण में भी काफी वृद्धि हुई है जिससे प्रदेश के डेयरी क्षेत्र को काफी मजबूती मिली है इसी का परिणाम है कि आज सरस राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने श्रेष्ठ विभिन्न उत्पादों को लेकर अपनी अलग पहचान

और लोकप्रियता हासिल किए हुए हैं इसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की नई सोच और डेयरी क्षेत्र के प्रति उनका लगाव और जुड़ाव बड़ी वजह मानी जा सकती है क्योंकि मुख्यमंत्री शर्मा खुद खेती और पशुपालन का काम कई सालों तक कर चुके हैं इसलिए वे यह अच्छी तरह से जानते हैं कि अगर पशुपालन व्यवसाय को भी गति दी जाए तो प्रदेश के किसान परिवारों का जीवन काफी उन्नत और खुशहाल हो सकता है इसीलिए प्रदेश के डेयरी क्षेत्र को विकसित और समृद्ध बनाने की दिशा में सरकार ने पिछले 2 साल में कई बड़े महत्वपूर्ण कार्य किए हैं जिनका असर कृषक परिवारों की लाइफ स्टाइल में देखने को भी मिल रहा है इसकी सबसे बड़ी वजह यह भी मानी जा सकती है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार डेयरी क्षेत्र से जुड़े सभी छोटे-बड़े लोगों, विभिन्न दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियां से जुड़े लोगों, पशुपालकों और सरस डेयरी प्रबंधन से जुड़े लोगों इत्यादि सभी के साथ लगातार संवाद पर विचार विमर्श करते रहते हैं तथा लगातार सुझाव और सलाह लेते रहते हैं जिनके आधार पर सरकार योजनाएं और नीतिगत निर्णय तैयार कर रहे हैं शुक्रवार को भी मुख्यमंत्री कार्यालय में भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के डेयरी क्षेत्र को और समृद्ध और विकसित बनाने की दिशा में बड़ी बैठक का आयोजन किया यह बैठक काफी देर तक संपादित हुई जिसमें प्रदेश भर के डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोग, सरस डेयरी प्रबंधन से जुड़े लोग,पशुपालक संगठन से जुड़े लोग तथा अधिकारी इत्यादि शामिल रहे बैठक में प्रदेश सरकार की ओर से डेयरी क्षेत्र में लिए गए नीतिगत निर्णय, फैसला इत्यादि के बारे में फीडबैक लिया गया सरकार की ओर से पशुपालकों को दी जाने वाली विभिन्न तरह की सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया गया सरकार की योजनाओं के बारे में पशुपालक क्या सोचते हैं और पशुपालक सरकार से क्या उम्मीद रखते हैं इसके बारे में भी मुख्यमंत्री ने विस्तार से विचार विमर्श किया पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और डेयरी विकास के लिए के लिए युवाओं को ज्यादा प्रोत्साहित करने जैसे विषय पर भी चर्चा की गई तथा डेयरी क्षेत्र में आधुनिक संसाधनों, तकनीकी, यंत्र ,उपकरण इत्यादि इत्यादि की स्थापना करने जैसे विषयों पर प्रभावी तरीके से चर्चा की गई मुख्यमंत्री शर्मा ने सरस डेयरी की ओर से पिछले कुछ सालों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हासिल किए गए विभिन्न तरह के पुरस्कार और सम्मान को लेकर काफी प्रसन्नता जाहिर की और इसके लिए सरस डेयरी प्रबंधन को बधाई भी दी जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पुरजोर कोशिश है की सरस डेयरी क्षेत्र में महिलाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित किए जाने की दिशा में प्रभावित तौर पर काम किया जाए तो इसके और भी अच्छे नतीजे सामने आ सकते हैं क्योंकि मुख्यमंत्री शर्मा या अच्छी तरह से जानते हैं कि पशुपालन व्यवसाय में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं का पुरुषों की तुलना में ज्यादा योगदान और मेहनत छुपी हुई रहती है इसलिए महिलाओं को अपनी मेहनत का और अपने योगदान का प्रतिफल मिले यह तभी संभव है जब महिलाओं को सरस डेयरी क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा प्रोत्साहित और शामिल किया जाए हालांकि पिछले कुछ सालों में प्रदेश के सदस्य डेयरी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में जबरदस्त तरीके से वृद्धि हुई है इसमें प्रदेश की भजनलाल सरकार के प्रयासों और दिशा निर्देशन से सरस डेयरी की ओर से भी कई तरह के कदम और नवाचार किए गए जिसके माध्यम से प्रदेश की ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं ज्यादा से ज्यादा डेयरी क्षेत्र में सक्रिय हुई है जिससे महिलाओं की आत्म सम्मान और आत्मनिर्भरता में तो वृद्धि हुई है इसके अलावा आर्थिक रूप से भी महिलाएं काफी मजबूत हुई है क्योंकि इसके लिए प्रदेश की भजनलाल सरकार ने भी महिलाओं के लिए विशेष प्रयास और घोषणाएं की जिसके माध्यम से महिलाएं ज्यादा से ज्यादा इस सेक्टर से जुड़ रही है इन सब प्रयासों से प्रदेश का डेयरी क्षेत्र भारतवर्ष में ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना प्रभाव छोड़ रहा है इसको देखकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी काफी उत्साहित और प्रभावित हैं इसीलिए वे लगातार इस क्षेत्र को और समृद्ध और विकसित बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं ।

# भजनलाल शर्मा ने रामलीला मैदान में हनुमंत शोभा यात्रा को रवाना किया

## 40 से ज्यादा भव्य झांकियां और 35 भव्य रथ शामिल

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(का.सं.)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर के रामलीला मैदान में भव्य और आकर्षक विशाल हनुमंत शोभा यात्रा के 35 रथ और और करीब 40 भगवान श्री हनुमान, भगवान श्री राम ,सीता, श्री गणेश भगवान शंकर, पार्वती, श्री कृष्णा इत्यादि के जीवन चरित्र के विभिन्न विहंगम दृश्य को उजागर कर रही झांकियां को रवाना किया इस मौके पर बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के संगठन से जुड़े छोटे बड़े सभी नेता व्यापार जगत से जुड़े लोग और शोभा यात्रा समिति का संचालन कर रहे लोगों के अलावा जयपुर के कोने-कोने से बड़ी संख्या में लोगों ने यहां रिमझिम बरसात के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई इस मौके पर बड़ी संख्या में महिलाएं भी मौजूद थी ।शोभा यात्रा को रवाना करने से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामलीला मैदान में आयोजित ऐतिहासिक कार्यक्रम में भगवान सीताराम और हनुमान की पूजा अर्चना कर आरती उतारी इस मौके पर छोटे-छोटे बाल कलाकार विभिन्न भगवानों का स्वरूप धारण करके अलग-अलग रथ पर सवार थे छोटे-छोटे बाल कलाकारों के विभिन्न भगवानों के स्वरूप और वेशभूषा को देखकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी काफी प्रभावित और प्रसन्न चिन्ह नजर आए और उन्होंने भगवान श्री राम माता सीता और श्री हनुमान की वेशभूषा और स्वरूप में झांकियां के रूप में मौजूद बाल कलाकारों की बाकायदा आरती उतारी और उनसे आशीर्वाद भी लिया हनुमंत शोभा यात्रा से जुड़े लोगों ने इस ऐतिहासिक हनुमंत शोभा यात्रा की शानदार तैयारी बहुत पहले ही कर ली थी इसके लिए रामलीला मैदान को दुल्हन की तरह सजाया गया और यहां पर प्रख्यात बैंड बाजे और आर्केस्ट्रा की धुन पर नाचते गाते श्रद्धालुओं के बीच जब मुख्यमंत्री शर्मा समारोह स्थल पर पहुंचे तो वहां पर एक अलग ही धार्मिक माहौल देखने को मिला लोगों ने जोर-जोर से जय सियाराम जय सियाराम जय हनुमान के नारे लगाने शुरू कर दिए इस मौके पर भजन लाल शर्मा ने उपस्थित लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया और प्रदेशवासियों को भगवान श्री हनुमान और भगवान श्री राम के जीवन चरित्र से सीख लेकर परिवार, समाज प्रदेश और विकास में अपना योगदान देने का आग्रह किया इस मौके पर भजन लाल शर्मा ने उपस्थित लोगों को भगवान श्री हनुमान के जीवन चरित्र से आत्म शुद्धि आत्म बल और सकारात्मक ऊर्जा जैसे गुणों को ग्रहण करके खुद के व्यक्तित्व को निखारने का आग्रहकिया मुख्यमंत्री शर्मा ने पूजा अर्चना के बाद भव्य और आकर्षक सभी रथ को एक-एक कर नगर भ्रमण के लिए रवाना किया रामलीला मैदान से शुरू हुई यह शोभा यात्रा जब सांगानेरी गेट पर पहुंची तो वहां पर मौजूद राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी ,पूर्व सांसद रामचरण बोरा, भाजपा विधायक गोपाल शर्मा इत्यादि ने शोभा यात्रा की आरती उतरी और शोभा यात्रा पर पुष्प अर्पित किया इस मौके पर जोहरी बाजार में दोनों तरफ सड़क के बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जम रही और आकर्षक रथ तथा झांकियां को देखकर लोग काफी खुश को रोमांचित नजर आए लोगों ने दूर से ही इन झांकियां को नमस्कार और प्रणाम करते हुए दिखे जोहरी बाजार से होते हुए यह शोभायात्रा बड़ी चौपड़ पर पहुंची जहां पर पहले से ही शोभा यात्रा का सम्मान और अगवानी करने के लिए व्यापार जगत से जुड़े बड़े-बड़े लोग मौजूद थे यहां पर शोभा यात्रा पर पुष्प बरसात की गई जगह-जगह व्यापार जगत से जुड़े लोगों ने शोभायात्रा की अगवानी की यह शोभायात्रा त्रिपोलिया बाजार छोटी चौपड़ होते हुए चांदपोल गेट हनुमान मंदिर पहुंची उल्लेखनीय है की राजधानी जयपुर में हनुमंत शोभायात्रा हर साल हनुमान जयंती के दूसरे दिन बड़े उल्लास के साथ निकल जाती है पिछले 40 साल से लगातार हर साल हनुमान जयंती के दूसरे दिन जयपुर में हनुमंत शोभा यात्रा समिति की ओर से इस शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है हालांकि कोरोना की अवधि में यह शोभा यात्रा लॉकडाउन की वजह से नहीं निकल पाई थी इसके अलावा पिछले 40 साल से हर साल इस शोभा यात्रा का आयोजन किया जाता है जिसे देखने के लिए जयपुर के कोने-कोने से लोग यहां आते हैं ।

# मोदी के नेतृत्व में पारित जन विश्वास विधेयक 2026 सुधार की नई दिशा दिखाते हैं : राज्यवर्धन राठौड़

**जयपुर।** जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) विधेयक, 2026 संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित हो चुका है।

राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने जन विश्वास विधेयक 2026 के लोकसभा और राज्यसभा में पारित किए जाने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संसद के दोनों सदनों में पारित जन विश्वास विधेयक 2026 सुधार की नई दिशा दिखाते हैं। यह एक ऐतिहासिक सुधार है, जो विश्वास, पारदर्शिता और सुगमता पर आधारित शासन प्रणाली को मजबूत बनाएगा। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पारित यह विधेयक ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह विधेयक भारत के व्यावसायिक और प्रशासनिक ढांचे को पुनःपरिभाषित करने का काम करेगा, जिससे देश वैश्विक स्तर पर एक भरोसेमंद और आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में और अधिक मजबूत होकर उभरेगा। इसका मुख्य उद्देश्य अपराधमुक्तिकरण की दिशा में पहल करना है, जो सरकार की विश्वास-आधारित शासन व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।एमएसएमई और व्यवसायों को लाभ मिले। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि यह परिवर्तनकारी सुधार है, जो सरकार की पारदर्शिता, जवाबदेही और सुगमता पर आधारित शासन प्रणाली के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जन विश्वास विधेयक वास्तव में सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास के सेतु को मजबूत करने का कार्य करेगा। यह पहल न केवल व्यापार करने में आसानी को बढ़ाएगी।

# गहलोत, डोटासरा,जूली जलेबी रेस में दौड़ रहे हैं, तीनों एक दूसरे को बैक फुट पर करने में लगे हैं : मदन राठौड़

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(का.सं.)।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्ष की अनर्गन बयानबाजी पर तिखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा जलेबी रेस में दौड़ रहे है, हर कोई अवसर लपकने के लिए जल्दी में है। गहलोत साहब तीन बार के सीएम रहे, अब उनके पास कोई कार्य नहीं है, इसलिए मनोरंजन के लिए वे सोशल मीडिया पर सीरीज चला रहे है। गहलोत को कहीं ना कहीं तो मन लगाना ही पड़ेगा। इसलिए व्यस्तता दिखाने के लिए ट्विट कर रहे है। वे हर कहीं फायदा देखते है, जबकि हर कहीं फायदा खोजना ठीक नहीं है। उन्हें जनहित के काम देखने चाहिए। गहलोत की शब्दावली आजकल गंभीरता पूर्ण नहीं रही, उनके बोल बिगड़ते जा रहे है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के पास अब कोई कार्य नहीं

बचा, इसलिए अनुमति लेकर मनसा द्वारा किए जा रहे कार्यक्रम का वे विरोध कर रहे है। डोटासरा जैसे वरिष्ठ व्यक्ति इसका विरोध कर रहे है। ऐसे में स्पष्ट है कि डोटासरा अब सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह के कार्य कर रहे है। अब वे हर कार्य में नुक्ताचीनी कर रहे है, उनका यह अमर्यादित व्यवहार है। महिलाएं अनुमति लेकर कार्य नहीं करेगी क्या! जब वे एक कॉलेज में मणिशंकर अय्यर को लेकर कार्यक्रम करते है तो उनकी पीठ थपथपाई जाती है, वहीं महिलाएं कार्यक्रम करें तो विरोध, कांग्रेस का यह दोहरा चरित्र सही नहीं है। उन्होंने कहा कि क्या महिलाओं के एक सकारात्मक सामाजिक कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जोड़कर फर्जी पोस्टर फैलाना और उसके आधार पर विरोध करना, एनएसयूआई नेताओं की नई राजनीति बन गई है? क्या यह कदम अपने अध्यक्ष विनोद जाखड़ की कार्यशैली को दोहराने की कोशिश है? और सबसे बड़ा सवाल यह है क्या अब एनएसयूआई में पद पाने की एकमात्र योग्यता केवल आरएसएस का विरोध और भ्रामक नैरेटिव खड़ा करना ही रह गया है? महिला सशक्तिकरण जैसे गंभीर विषय को भी राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। राठौड़ ने कहा कि डोटासरा को डर सता रहा है कि कहीं जूली उनसे आगे नहीं निकल जाए। कांग्रेस में आजकल टीकाराम जूली को महत्व दिया जा रहा है, ऐसे में डोटासरा को अपनी जमीन खिसकती नजर आ रही है। ।

## प्रभावित बीमित फसल के कृषक आपदा के 72 घण्टे के अंदर करें सूचित

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फसल कटाई उपरान्त अधिकतम 14 दिन की अवधि में सूखने के लिए खेत में काटकर फैलाकर छोडी गई फसल को चक्रवात, चक्रवती वर्षा, असामयिक वर्षा तथा ओलावृष्टि से व्यक्तिगत आधार पर हुए नुकसान के लिए फसल बीमा क्लेम आवरण उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि प्रभावित बीमित फसल के कृषक को आपदा के 72 घण्टे के अंदर सीधे भारत सरकार द्वारा संचालित कृषि रक्षक पोर्टल एवं हैल्पलाइन 14447 पर अथवा क्रोप इंश्योरेंस एप अथवा लिखित में अपने बैंक/कृषि विभाग के अधिकारियों के माध्यम से सूचित करना आवश्यक है। बैंक स्तर पर इस संबंध में सूचना प्राप्त होने पर बीमित फसल, बीमित क्षेत्र, प्रीमियम की कटौती की तिथि आदि का सत्यापन करते हुए बीमा कम्पनी को प्रकरण निर्धारित समय सीमा में अविलम्ब अग्रेषित करना होगा। उन्होंने बताया कि यदि तकनीकी खराबी की वजह बीमित कृषकों द्वारा पोस्ट-हार्वेस्ट लॉसेस के हानि के इंटीमेशन दर्ज नहीं हो पा रहे हैं। तो ऐसी परिस्थिति में सुविधानुसार निकटतम कृषि कार्यालय में लिखित सूचना देवे। फसल में क्षति का आंकलन सर्वेयर द्वारा संबंधित कृषक व स्थानीय कृषि विभाग के अधिकारी/कर्मचारी के साथ संयुक्त रूप से किया जावेगा। यह आंकलन सर्वे दस दिन के अंदर पूर्ण किया जावेगा।

### विश्व हिंदू महासंघ में नई नियुक्तियां

## राजन गुप्ता बने जिला उपाध्यक्ष, प्रेमचंद गुप्ता कोषाध्यक्ष नियुक्त

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** विश्व हिंदू महासंघ अलवर जिला इकाई में संगठनात्मक विस्तार करते हुए नई नियुक्तियां की गई हैं। जिला संरक्षक लक्षमेश कुमार सिंह की अनुशंसा पर जिलाध्यक्ष मनीष द्विवेदी द्वारा राजन गुप्ता को जिला उपाध्यक्ष तथा प्रेमचंद गुप्ता को जिला कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र जिला संरक्षक लक्षमेश कुमार सिंह द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मनीष द्विवेदी ने दोनों को बधाई देते हुए संगठन में सकारात्मक एवं सक्रिय रूप से कार्य करते रहने की प्रेरणा दी। नवनियुक्त पदाधिकारी राजन गुप्ता और प्रेमचंद गुप्ता ने नियुक्ति पर योगी आदित्यनाथ, प्रदेश कार्यकारिणी तथा जिला संरक्षक लक्षमेश कुमार सिंह का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर लक्षमेश कुमार सिंह ने हिंदू समाज को संगठित करने, हिंदुत्व के प्रचार-प्रसार तथा महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा दी।

## सांकरोदा में आस्था का ज्वार: शिव शक्ति दाता आश्रम में क्षेत्रीय नवरात्रि महोत्सव का समापन

### नवचंडी यज्ञ में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

जयपुर टाइम्स

**सुमेरपुर/राजसमंद। (निस)।** राजसमंद जिले के सांकरोदा स्थित शिव शक्ति दाता आश्रम में आयोजित नवरात्रि महोत्सव इस वर्ष अभूतपूर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। नौ दिनों तक चले इस आध्यात्मिक महापर्व ने पूरे क्षेत्र को भक्ति रस में डुबो दिया, जहां हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। आश्रम के मठाधीश दाता करण सिंह के सानिध्य में आयोजित इस भव्य महोत्सव के दौरान प्रतिदिन पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और आस्था के साथ भाग लिया, जिससे आश्रम परिसर लगातार 'जय माता दी' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंजता रहा। महोत्सव का भव्य समापन नवचंडी यज्ञ के साथ हुआ, जिसे पंडित सुभाष कुमार ने विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया। यज्ञ के दौरान वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संचार देखने को मिला और श्रद्धालु पूरी श्रद्धा से अनुष्ठान में लीन नजर आए। समापन अवसर पर आयोजित महाप्रसादी में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ लिया। पूरे आयोजन में अनुशासन, सेवा भाव और सामूहिक सहभागिता का बेहतरीन उदाहरण देखने को मिला। समापन अवसर पर दाता करण सिंह ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए धर्म, संस्कार और सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 'सच्ची भक्ति केवल पूजा में नहीं, बल्कि माता-पिता की सेवा, गौ सेवा और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने में है। ' उनके उद्बोधन ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। यह महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, भाईचारे और संस्कृति को मजबूत करने का भी सशक्त माध्यम बना। नौ दिनों तक चला यह आयोजन क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा और आपसी जुड़ाव का प्रतीक बनकर उभरा।

## एक दिवसीय आयुर्वेद क्षारकर्म अग्निकर्म कार्यशाला आयोजित

### नासा अर्श (नेजल पोलिप), टॉन्सिलाइटिस, पाइल्स आदि रोगों में बिना सर्जरी आयुर्वेद क्षार कर्म से प्रभावी चिकित्सा संभव - डॉ. शेखावत

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** विश्व आयुर्वेद परिषद चिकित्सक प्रकोष्ठ राजस्थान खैरथल तिजारा जिला इकाई की ओर से ग्रीनलैंड होटल खैरथल में एक दिवसीय क्षारकर्म अग्निकर्म कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला से पूर्व अलवर पधारे विश्व आयुर्वेद परिषद के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा का चिकित्सक प्रकोष्ठ प्रदेश प्रभारी डॉ. पवन सिंह शेखावत के नेतृत्व में स्वागत एवं सम्मान किया गया। जिला संयोजक डॉ. अरुण मुद्गल ने बताया कि कार्यशाला की शुरुआत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राकेश कुमार शर्मा प्रदेशाध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद परिषद राजस्थान, विशिष्ट अतिथि डॉ. बाबू लाल बराला राष्ट्रीय सह प्रभारी (चिकित्सक प्रकोष्ठ), डॉ. जे एस राजावत चिकित्सक प्रकोष्ठ जयपुर प्रांत प्रभारी एवं डॉ. अशोक तोमर क्षार कर्म विशेषज्ञ तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश प्रभारी डॉ. पवन सिंह शेखावत, चिकित्सक प्रकोष्ठ राजस्थान ने भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मुकेश चंद प्रजापत एवं डॉ. सोमपाल चौधरी ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में कार्यक्रम का परिचय जिला संयोजक अलवर डॉ. अमित कुमार चावला ने दिया। अतिथि स्वागत भाषण डॉ. अजीत बाल्यान ने दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राकेश कुमार शर्मा प्रदेशाध्यक्ष विश्व आयुर्वेद परिषद राजस्थान ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व आयुर्वेद परिषद चिकित्सक प्रकोष्ठ आयुर्वेद चिकित्सकों के कौशल विकास एवं जन जन तक आयुर्वेद को पहुंचाने तथा आयुर्वेद से जन सामान्य को लाभान्वित करने के लक्ष्य को लेकर निरंतर कार्य कर रहा है और प्रदेश भर में इसके परिणाम भी परिलक्षित हो रहे है। राष्ट्रीय सह प्रभारी चिकित्सक प्रकोष्ठ डॉ. बाबू लाल बराला ने संगठन की आगामी वार्षिक योजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने 22-23 मई को कोटा में प्रस्तावित राष्ट्रीय कार्यशाला का भी आमंत्रण दिया। क्षार कर्म विशेषज्ञ एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अशोक तोमर ने क्षार कर्म का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक जानकारी उपस्थित लोगो को दी, साथ ही टॉन्सिलाइटिस, नासा अर्श ( नेजल पोलिप) के रोगियों को तुरंत क्षार कर्म द्वारा लाभान्वित कर उपस्थित डॉक्टर्स को प्रायोगिक जानकारी दी। दूसरे अग्निकर्म विषय विशेषज्ञ डॉ. जे एस राजावत ने अग्निकर्म की सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक जानकारी दी और विभिन्न वात विकार के रोगियों को उपचारित कर प्रत्यक्ष कर्माभ्यस करवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे चिकित्सक प्रकोष्ठ राजस्थान के प्रदेश प्रभारी डॉ. पवन सिंह शेखावत ने अपने संबोधन में कहा कि नासा अर्श (नेजल पोलिप) , टॉन्सिलाइटिस, पाइल्स इत्यादि रोगों में बिना सर्जरी आयुर्वेद क्षार कर्म से प्रभावी चिकित्सा संभव है। कार्यशाला में संगठन के वरिष्ठ सदस्य डॉ. अनिल कुमार जैन, डॉ. मुकेश चंद प्रजापत, डॉ. अमित चावला, डॉ. अजीत बाल्याण, डॉ सुरेश कुमार वर्मा, डॉ. अरुण मुद्गल, डॉ सोमपाल चौधरी सहित खैरथल तिजारा जिले एवं निकटवर्ती जिलों के सैकड़ों चिकित्सकों ने भाग लेकर सफल प्रशिक्षण लिया। कार्यक्रम के अंत में खैरथल तिजारा जिले के जिला संयोजक डॉ. अरुण मुद्गल ने संगठन के राष्ट्रीय, प्रदेश, विभाग ओर जिले से पधारे आगंतुकों एवं कार्यक्रम के प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोगियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

## सर्व हिंदू समाज की जागरूकता: 7 अप्रैल को निकलेगी हनुमान ध्वज यात्रा, शहरवासी करेंगे स्वागत

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** सर्व हिंदू समाज अलवर की ओर से 12वीं विशाल हनुमान ध्वज यात्रा 7 अप्रैल मंगलवार को अग्रसेन सर्किल शिव मंदिर फल सब्जी मंडी अलवर से निकाली जाएगी। आयोजन से जुड़े विश्व हिंदू परिषद के डॉक्टर के. के. गुप्ता, प्रेम सिंह राजावत, सौरभ कालरा, प्रेम गुप्ता और विजेंद्र सिंह सहित अन्य लोगों ने शुक्रवार को आयोजित एक पत्रकार वार्ता में बताया कि भगवान श्रीराम के परम भक्त वीर शिरोमणि हनुमानजी महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष सर्व समाज की ओर से यह यात्रा निकाली जाती है। इस बार भी सनातन धर्म ओर संस्कृति को बचाए रखने के लिए यह यात्रा शाम 4 बजे अग्रसेन सर्किल से निकाली जाएगी, जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए यात्रा मोती डूंगरी स्थित हनुमान मंदिर पहुंचेगी। मोती डूंगरी स्थित हनुमान मंदिर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि इस ध्वज यात्रा में संतों का भी आशीर्वाद लोगों को मिलेगा। वहीं यात्रा में अनेक झांकियां भी होंगी साथ में हाथों में हनुमान जी के ध्वज लेकर 2100 भक्तजन श्रीराम जी के और हनुमान जी के जयकारे लगाते हुए चलेंगे। इसके अलावा डीजे और बैंड बाजे भी भजनों की स्वर लहरियां सुनाते हुए हुए चलेंगे। समिति के पदाधिकारी ने बताया कि समिति की ओर से यात्रा की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

## महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती के उपलक्ष्य में अलवर में आयोजित होगा राजस्थान का सबसे लंबा 7 दिवसीय कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के पावन अवसर पर अलवर जिला सैनी महासभा संस्थान, राष्ट्रीय सैनी सभा और सैनी समाज विद्यार्थी उन्नत शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल 7 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान समाज के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन राजस्थान में महात्मा फुले की जयंती पर चलने वाला सबसे लंबा (7 दिवसीय) कार्यक्रम होगें जिसकी शुरुआत 05 अप्रैल 2026 को विशाल रक्तदान शिविर और प्रतिभा सम्मान समारोह के साथ होगी।

### कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं और समय-सारणी:-

05 अप्रैल (रविवार) दा रिवाज रिसोर्ट, कंपनी बाग रोड पर सुबह 09:15 बजे से विशाल रक्तदान शिविर और 10:15 बजे से प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित होगा इस कार्यक्रम में मशहूर पंजाबी सिंगर राज सैनी, हिसार अपनी प्रस्तुत देंगे। प्रतिभा सम्मान समारोहत में वर्ष 2025 एवं 2026 की बोर्ड परीक्षाओं और स्नातक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों सहित खेल, सरकारी सेवा और सामाजिक क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। 06 अप्रैल 2026 सोमवार को पौधारोपण कार्यक्रम (सुबह 10:15 बजे)। 07 अप्रैल 2026 मंगलवार को गौ-सेवा एवं स्वामीमणि (सुबह 10:15 बजे)। 08 अप्रैल 2026 बुधवार को राजकीय विद्यालय के बच्चों को सामग्री वितरण। 09 अप्रैल 2026 गुरूवार को जिला अस्पताल में फल वितरण कार्यक्रम। 10 अप्रैल 2026 शुक्रवार को महात्मा ज्योतिबा फुले सर्किल पर दीपदान एवं भव्य आतिशबाजी (शाम 07:15 बजे)। 11 अप्रैल 2026 शनिवार को भव्य झांकी एवं विशाल वाहन रैली। यह रैली दोपहर 03:15 बजे मावली माता मंदिर से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए ज्योतिबा फुले सर्किल पर संपन्न होगी। सम्मान समारोह में उन छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा जिन्होंने 10वीं,12वीं में 80' या उससे अधिक और स्नातक में 75' से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। साथ ही नीट, आई.आई.टी. जेई, क्लेट, आई.ए.एस., आर.ए.एस. जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित युवाओं का भी अभिनंदन किया जाएगा। प्रेस वार्ता को अनिल सैनी (गब्बर), कमल सैनी, विकास बबेरवाल कमल सैनी रामप्रसाद सैनी दशरथ सैनी पवन सैनी प्रेम कोलावत और अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने सैनी समाज के सभी बंधुओं, युवाओं और विद्यार्थियों से इस 7 दिवसीय महोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया है।

## जागरूकता एवं कल्याण मार्गदर्शन में विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

### अधिकार मित्र (पीएलवी ) रेखा महलावत ने दी नशीली दवाओं के दुरुपयोग व दुष्परिणामों से बचाव की जानकारी

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार एवं अनंत भंडारी अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व सचिव के आदेशानुसार शुक्रवार को अचीवर्स एकेडमी, लाजपत नगर, स्कीम-2, अलवर में नालसा की डी ए डब्लू एन योजना 2025 (नशा मुक्त भारत हेतु जागरूकता एवं कल्याण मार्गदर्शन) के अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 82 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शिविर में अधिकार मित्र (पीएलवी ) रेखा महलावत द्वारा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए नशीली दवाओं के दुरुपयोग के गंभीर दुष्परिणामों पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि उसके पारिवारिक, सामाजिक एवं आर्थिक जीवन को भी गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। नशीले पदार्थों के सेवन से युवाओं में एकाग्रता की कमी, अपराध की प्रवृत्ति, स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं एवं भविष्य की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी समझाया कि नशे की लत से बचाव के लिए सकारात्मक जीवनशैली अपनाना, खेल-कूद एवं रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेना, गलत संगति से दूर रहना तथा आवश्यकता पड़ने पर परामर्श एवं सहायता लेना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही, नशा करने वाले व्यक्तियों के पुनर्वास एवं उपचार के संबंध में उपलब्ध सरकारी व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में बताया गया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एस एल एस ए ) का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करना तथा उन्हें उनके अधिकारों एवं विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना है। अंत में प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों (1091/181, 1098, 15100) की जानकारी प्रदान की गई तथा आवश्यकता पड़ने पर इनका उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया।

## उदयपुर बस स्टैंड बना 'गंदगी का नरक'! करोड़ों की सफाई फाइलों में, जमीन पर सड़ांध

जयपुर टाइम्स

**सुमेरपुर/उदयपुर(निसं.)।** झीलों की खूबसूरती के लिए दुनिया में पहचान रखने वाला उदयपुर अब अपने ही बस स्टैंड की गंदगी से शर्मसार है। शहर का मुख्य बस स्टैंड इन दिनों बदबू, कचरे और अव्यवस्था का ऐसा केंद्र बन चुका है, जहां खड़ा होना भी किसी सजा से कम नहीं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि जिम्मेदार प्रशासन और नगर परिषद या तो इस हकीकत से अनजान बने हुए हैं या जानबूझकर आंखें फेर चुके हैं। बस स्टैंड परिसर में प्रवेश करते ही यात्रियों का स्वागत किसी सुविधा से नहीं, बल्कि सड़ांध और दुर्गंध के जहरीले झोंकों से होता है। हर तरफ फैले कचरे के ढेर, जाम नालियों से बहता गंदा पानी और गंदगी से लबालब भरे शौचालय–ये दृश्य साफ बता रहे हैं कि यहां सफाई व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। सवाल सीधा है–जब सफाई के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च हो रहे हैं, तो यह पैसा आखिर जा कहां रहा है? शौचालय नहीं, 'बीमारी के कारखाने' बन चुके हैं बस स्टैंड के सार्वजनिक शौचालय और मूत्रालय अब सुविधा नहीं, बल्कि बीमारी फैलाने के अड्डे बन चुके हैं। यहां इतनी गंदगी है कि लोग अंदर जाने से डर रहे हैं, लेकिन मजबूरी में उपयोग करना पड़ रहा है। दुर्गंध इतनी तेज है कि कुछ मिनट खड़े रहना भी मुश्किल हो जाता है। संक्रमण और बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है–खासतौर पर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह हालात बेहद खतरनाक हैं।

**गंदगी के बीच 'जहर' परोस रहे होटल-ठेले:**

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जहां एक ओर गंदगी का साम्राज्य फैला हुआ है, वहीं दूसरी ओर उसी माहौल में होटल, ढाबे और ठेले खुलेआम खाना परोस रहे हैं। ऐसे वातावरण में तैयार हो रहा भोजन सीधे-सीधे लोगों की सेहत से खिलवाड़ है। खाद्य सुरक्षा नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ रही हैं, लेकिन ना कोई जांच, ना कोई कार्रवाई–जिम्मेदार विभाग पूरी तरह नदारद।

**स्वच्छता अभियान सिर्फ पोस्टर तक सीमित:**

यह हालात केवल स्थानीय लापरवाही नहीं, बल्कि स्वच्छ भारत मिशन जैसे बड़े अभियान पर भी बड़ा सवाल खड़ा करते हैं। जहां एक ओर देशभर में स्वच्छता के दावे किए जा रहे हैं, वहीं उदयपुर का बस स्टैंड उन दावों की पोल खोल रहा है।

**पर्यटन नगरी की साख पर सीधा वार:**

देश-विदेश से आने वाले पर्यटक जब बस स्टैंड की यह बदहाल स्थिति देखते हैं, तो उदयपुर की छवि पर गहरा धब्बा लगता है। यह स्थिति न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि पर्यटन पर भी नकारात्मक असर डाल रही है। जनता में गुस्सा–'अब नहीं सहेंगे' स्थानीय लोगों और यात्रियों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं। लोगों का आरोप है कि सफाई के नाम पर सिर्फ कागजों में काम दिखाया जा रहा है और जमीनी स्तर पर कुछ भी नहीं हो रहा। अब जनता खुलकर सवाल कर रही है– क्या प्रशासन किसी बड़ी बीमारी फैलने का इंतजार कर रहा है? क्या नगर परिषद की जवाबदेही तय होगी या जनता यूं ही गंदगी में जीने को मजबूर रहेगी?

# जिला कलेक्टर ने दिए मरीज को बेहतर सुविधाओं के निर्देश

### गर्मी से पहले चिकित्सा व्यवस्थाओं को मजबूत करने के निर्देश, जिला कलेक्टर ने दिखाई सजगता

### जिला कलेक्टर ने एसटीपी का निरीक्षण कर परियोजना को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

**खैरथल-तिजारा(निसं.)।** जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने शुक्रवार को निर्माणाधीन 34 एमएलडी एसटीपी एवं जिला अस्पताल भिवाड़ी का निरीक्षण किया। जिला कलेक्टर ने अस्पताल में उपस्थित मरीजों से वार्ता कर हॉस्पिटल की व्यवस्थाओं एवं डॉक्टर के बारे में फीडबैक लिया। इसके साथ-साथ उन्होंने जनरल वार्ड, टीबी वार्ड एंव रामाश्रय वार्ड में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनको दी जाने वाली सुविधाओं का अवलोकन भी किया। उन्होंने अस्पताल में काम कर रहे कार्मिकों से उनके कार्य की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा साफ-सफाई का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि अस्पताल आने वाले मरीज एवं उनके परिजनों से सौहार्दपूर्ण व्यवहार करें। उन्होंने भर्ती मरीजों को भी प्रावधान के अनुरूप सभी सुविधा उपलब्ध करवाने को कहा। उन्होंने सरकार द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाओं से मरीजों को लाभ पहुंचाने के निर्देश भी दिए। जिला कलक्टर द्वारा आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन को हीट स्ट्रोक से बचाव व त्वरित उपचार हेतु आवश्यक इंतजाम करने निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए की लू प्रभावित मरीजों के लिए कूलिंग वार्ड सुनिश्चित किया जाए तथा अस्पताल परिसर में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। अस्पताल में ओआरएस, ग्लूकोज एवं आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। आमजन को लू से बचाव हेतु नियमित प्रचार-प्रसार, पोस्टर, बैनर और सार्वजनिक घोषणाओं के माध्यम से जागरूक किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए की इमरजेंसी वार्ड को पूर्ण रूप से सतर्क एवं स्टाफ को प्रशिक्षित रखने के निर्देश दिए गए।

### जिला कलेक्टर ने एसटीपी का निरीक्षण कर परियोजना को शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

एसटीपी परियोजना स्थल का जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने निर्माण कार्यों की समीक्षा कर कार्यदायी संस्था को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। वर्तमान में एसटीपी का सिविल निर्माण कार्य लगभग 90' पूर्ण हो चुका है। फिनिशिंग कार्य प्रगति पर है, जिसे शीघ्र पूर्ण किया जा रहा है। उन्होंने सभी कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने बताया कि प्रशासन का लक्ष्य परियोजना को शीघ्र पूर्ण कर संचालन में लाना है, ताकि शहर की जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ हो और नागरिकों को राहत मिले। अधिकारियों द्वारा निरंतर निरीक्षण एवं समीक्षा के माध्यम से कार्यों की प्रगति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह परियोजना न केवल जल भराव की समस्या के समाधान में सहायक होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता सुधार और सतत विकास के लक्ष्यों को भी मजबूती प्रदान करेगी। परियोजना पूर्ण होने के उपरांत भिवाड़ी शहर में स्वच्छ एवं व्यवस्थित सीवरेज प्रबंधन प्रणाली स्थापित होगी, जिससे आमजन को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा। इसके पश्चात जिला कलेक्टर ने नगर परिषद भिवाड़ी कार्यालय में जाकर विभिन्न योजनाओं व परियोजनाओं की समीक्षा। उन्होंने नगर परिषद भिवाड़ी को स्वच्छता रैंकिंग में सुधार करने हेतु आवश्यक कार्य योजना बनाकर, कार्य करने के निर्देश दिए। आईएस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर भिवाड़ी सुमित्रा मिश्र, नगर परिषद आयुक्त भिवाड़ी मुकेश कुमार, जिला अस्पताल पीएमओ सागर अरोड़ा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# डीआईपीआर में स्वर्णिम अध्याय की पटकथा लिख रहे 'राकेश शर्मा'

करीब 3 महीने के अपने अब तक के अल्प समय के कार्यकाल में ही भजनलाल सरकार की नीतियों, जनकल्याणकारी योजना और विकास कार्यों को डीआईपीआर के माध्यम से जन-जन तक पहुंचा कर खुद को किया साबित

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विश्वास और कसौटी पर उतर रहे खरे, सरकार, पब्लिक और मीडिया के बीच प्रदेश के डीआईपीआर को एक मजबूत सेतु के रुप में कर दिया स्थापित

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने करीब 3 महीने पहले जिस उम्मीद और विश्वास के साथ प्रदेश के सूचना और जनसंपर्क विभाग की कमान भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ, कर्मठ, ईमानदार और मेहनती अधिकारी राकेश शर्मा के हाथों में दी थी उस जिम्मेवारी को बहुत ही कम समय की अवधि में ही शानदार और उत्कृष्ट तरीके से निभाकर प्रदेश के नए डीआईपीआर राकेश शर्मा ने खुद को साबित किया है, चाहे भजनलाल सरकार की नीतियों, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर तरीके से प्रदेश भर में प्रचार प्रसार करने की बात हो या फिर प्रदेश के प्रिंट, इलेक्ट्रानिक मीडिया और सोशल मीडिया और सरकार के बीच बेहतर संबंध और तालमेल बनाने का विषय हो या फिर सूचना और जनसंपर्क विभाग के प्रदेश भर में नियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच आपस में बेहतर तालमेल और समन्वय बनाने का विषय हो। ऐसे हर जरूरी और महत्वपूर्ण विषय में डीआईपीआर ने अपनी जिम्मेदारी, दायित्व और विजन को बखूबी से निभाया इसी का परिणाम है कि आज एक तरफ जहां सरकार के विकास कार्यों और योजनाओं का शहर से लेकर हर गांव और ढाणी में सरकारी स्तर पर धांसू प्रचार नजर आ रहा है तो दूसरी तरफ प्रिंट, इलेक्ट्रानिक मीडिया और सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी प्रदेश सरकार और डीआईपीआर के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण दृष्टिकोण अपनाए हुए हैं जो अपने आप में एक बड़ी बात है । इसमें कोई संदेह नहीं पिछले सवा दो साल में प्रदेश की भजनलाल सरकार ने पानी, बिजली, सड़क, उद्योग, सौर ऊर्जा, चिकित्सा, शिक्षा, महिला विकास, युवा विकास, बेरोजगारी, पुलिसिंग, स्किल डेवलपमेंट इत्यादि सभी क्षेत्रों में ऐतिहासिक विकास कार्य किया हर क्षेत्र में बड़े-बड़े निर्णय निर्णय लिए और सालों से चले आ रहे विभिन्न राज्यों से विवादों को सुलझाया। इसलिए प्रदेश सरकार की विकास यात्रा अभूतपूर्व मानी जा सकती है लेकिन जब तक सरकार की इन उपलब्धियां की जानकारी प्रदेश के हर परिवार और हर व्यक्ति तक नहीं पहुंचे तो फिर सरकार की इस उपलब्धि और मेहनत का कोई मतलब नहीं निकलता इसीलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जिनके हाथों में प्रदेश के सूचना और जनसंपर्क विभाग की कमान भी है उन्हें एक ऐसे अधिकारी की तलाश थी जो सरकार की योजनाओं और उपलब्धियां को प्रदेश के हर व्यक्ति तक पहुंचाने के मामले में काफी अनुभवी और माहिर हो। हालांकि ऐसा नहीं था कि प्रदेश का सूचना और जनसंपर्क विभाग सरकार के कामों के प्रचार प्रसार में कोई कमी छोड़े हुए था लेकिन कहीं ना कहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ऐसा लगता था कि सरकार के अच्छे कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में प्रदेश भर के लोगों को ठीक तरह से जानकारी नहीं मिल पा रही है क्योंकि उन्होंने कई बार अलग-अलग जगह पर जनसभा में लोगों से यह अपील करते हुए देखा गया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उन लोगों तक जरूर उपलब्ध करवाए जिन्हें इन योजनाओं की जानकारी नहीं है। इसलिए मुख्यमंत्री शर्मा डीआईपीआर के प्रबंधन को लेकर काफी गंभीर थे लेकिन अब उन्हें कहीं ना कहीं तसल्ली मिली है जब प्रदेश का सूचना और जनसंपर्क विभाग पहले की तुलना में ज्यादा सक्रिय और गतिशील होकर प्रदेश सरकार की उपलब्धियां और योजनाओं के धांसू प्रचार प्रसार में दिन-रात कड़ी मेहनत करता हुआ दिख रहा हो। जिसमें नए डीआईपीआर राकेश शर्मा की भूमिका को हर जगह सराहा जा रहा है।

### लंबा प्रशासनिक अनुभव और जमिनी जुड़ाव ने राकेश शर्मा को बना दिया परफेक्ट ऑफिसर

प्रदेश के सवाई माधोपुर जिले के रहने वाले राकेश शर्मा बेहद ही सरल, सहज और मृदु भाषी अफसर शुरू से ही रहे हैं। काम के प्रति समर्पण भावना इनमें देखते ही बनती है और ईमानदारी इनके स्वभाव में है क्योंकि अपनी लंबी प्रशासनिक सेवा में इन्होंने प्रदेश में करीब करीब सभी विभाागों में अच्छे पदों पर रहे। शुरू में राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के रूप में प्रदेश में कई जगहों पर एसडीओ पद पर रहने के दौरान शहरी और ग्रामीण जनता से इनका सीधा जुड़ाव रहा, लोग सरकार के बारे में क्या सोचते हैं? लोग सरकार से क्या चाहते हैं? लोगों को कैसे और किस तरह से संतुष्ट किया जाए ? लोगों को कैसे और किस तरह से सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए ? सरकार की योजनाओं का कैसे और किस तरह से बेहतर क्रियान्वयन करवाया जाए? इन सब विषयों पर कई कई सालों तक अलग-अलग जगह पर एसडीओ और ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर पद नियुक्त रहने के दौरान राकेश शर्मा ने गंभीरता से काम किया। जिसके फल स्वरुप प्रदेश भर के विभिन्न जिलों की वस्तु स्थिति और विभिन्न जिलों में रहने वाले लोगों की सोच, स्वभाव, साक्षरता इत्यादि के बारे में शर्मा को अटूट ज्ञान है। यह ज्ञान और अनुभव अब उन्हें सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के बेहतर प्रबंधन में काफी काम आ रहा है। पिछले वर्ष दिसंबर के आखिरी सप्ताह में ही मुख्यमंत्री शर्मा ने राकेश शर्मा को सूचना और जनसंपर्क विभाग की जिम्मेदारी दी थी इसलिए पिछले 3 महीने की इस छोटी सी अवधि में ही प्रदेश का सूचना और जनसंपर्क विभाग एक नए कलेवर और अंदाज में नजर आने लगा है। जो मीडिया जगत से जुड़े लोगों को भी काफी भा रहा है और प्रदेश की भजनलाल सरकार को भी खूब रास आ रहा है क्योंकि पिछले तीन महीना में प्रदेश सरकार के कामकाज और विकास कार्यों का जिस अंदाज में और जिस तरीके से प्रदेश भर में प्रचार प्रसार देखने को मिल रहा है। इससे शहर से लेकर गांव और ढाणी में भजनलाल सरकार के विकास कार्यों की गूंज सुनने को मिल रही है जिसमें ब्यूरोक्रेसी और भाजपा संगठन से जुड़े लोगों की मेहनत तो है ही लेकिन इसमें सूचना और जनसंपर्क विभाग के प्रचार प्रसार के तरीकों और नवाचारों का सबसे बड़ा हाथ माना जा रहा है ।

### अपने उत्कृष्ट कार्यो से से प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टी के सरकारों के काफी प्रिय ऑफिसर रहे

पहले राजस्थान प्रशासनिक सेवा और फिर भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होने के दौरान राकेश शर्मा अपने उत्कृष्ट कार्यो से प्रदेश में सभी पार्टी की सरकारों के काफी प्रिय और भरोसेमंद अधिकारी रहे करीब पिछले 28 सालों से राकेश शर्मा राजस्थान प्रशासनिक सेवा और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के रूप में प्रदेश के सभी महत्वपूर्ण विभागों में अलग-अलग पार्टी की सरकारों में बड़े-बड़े पदों पर नियुक्त रहे और इन्हें जहां भी जिस भी विभाग में जिम्मेदारी मिली उस जिम्मेदारी को इन्होंने बहुत ही शानदार और उत्कृष्ट तरीके से निभाया, अपनी कड़ी मेहनत और ईमानदारी से जिस भी विभाग में नियुक्ति मिली उसमें सौ प्रतिशत परफॉर्मेंस देकर सरकारों को काफी प्रभावित किया । इसलिए पिछले 28 साल में प्रदेश में हर 5 साल में कभी बीजेपी तो कभी कांग्रेस पार्टी की सरकारों का गठन होता रहा लेकिन जिस भी पार्टी की सरकार बनी उस पार्टी की सरकार ने राकेश शर्मा के पिछले उत्कृष्ट कार्यो और कड़ी मेहनत से प्रभावित होकर शर्मा को जनता से सीधे जुड़े विभागों में नियुक्ति दी गई ताकि प्रदेश के लोगों का ज्यादा से ज्यादा भला हो सके और इस काम को शर्मा ने बखूबी से निभाया भी। इसीलिए पिछले 28 साल की सरकारी नौकरी में राकेश शर्मा को पर्यटन, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर नगर निगम, स्वास्थ्य और चिकित्सा, परिवहन विभाग, जयपुर जिला प्रशासन, राजस्व विभाग, एक्साइज विभाग इत्यादि महत्वपूर्ण विभागों में बड़े पदों पर अलग-अलग पार्टी की सरकारों में जिम्मेदारी मिली। इसके अलावा कई जगहों पर एसडीओ और ब्लॉक डेवलपमेंट अधिकारी के रूप में भी शुरू में इन्होंने कई सालों तक काम किया, अपनी इतनी लंबी प्रशासनिक सेवा की अवधि के दौरान जहां भी और जिस भी विभाग में कार्यरत रहे वहां के स्थानीय निवासियों में हमेशा एक कर्मठ और लोकप्रिय अधिकारी के रूप में माने जाते रहे। इसकी बड़ी वजह यह रही की राकेश शर्मा का अपना एक अलग व्यक्तित्व है जो उनकी पर्सनालिटी को अलग लुक देता है जितने सरल और सहज और मधुर व्यवहार के हैं उतने ही जनता की भलाई पर विकास के लिए संवेदनशील भी रहे और भ्रष्टाचार और लापरवाही जैसे शब्द इनकी डिक्शनरी में कभी नहीं रहे । हमेशा खुद ईमानदारी से और समर्पित भाव से काम करते नजर आए और अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को भी ईमानदारी और समर्पित भाव से काम करने के लिए प्रेरित करते रहे। इसीलिए शर्मा जहां प्रदेश भर में नियुक्ति के दौरान अलग-अलग जगह पर लोगों के लोकप्रिय अधिकारी बने रहे तो अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों में भी हमेशा अपने व्यवहार को लेकर लोकप्रिय रहे ।

### सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों के प्रचार प्रसार में आधुनिक संचार संसाधनों, तकनीक का उपयोग करने में ज्यादा विश्वास रखते हैं शर्मा

सोशल मीडिया के जमाने में आजकल फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, युटुब इत्यादि प्रचार प्रसार का बड़ा माध्यम बन गए हैं। इसलिए इसलिए इन आधुनिक संचार संसाधनों, तकनीक, यंत्र और उपकरण के बिना किसी भी विषय का शानदार तरीके से प्रचार प्रचार करना काफी मुश्किल हो गया है इसलिए राकेश शर्मा खुद संचार संसाधनों के आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों का उपयोग सरकार की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रचार में प्रभावित तरीके से करने में ज्यादा रुचि रखते हैं । पिछले तीन महीने से सूचना और जनसंपर्क विभाग की ओर से सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर जबरदस्त तरीके से उपस्थित दिखाकर सरकार की नीतियों और योजनाओं का प्रभावी तरीके से प्रचार प्रसार किया जा रहा है जिसकी वजह से प्रदेश की भजनलाल सरकार के विकास कार्यों की गूंज राजस्थान ताकि सीमित नहीं है बल्कि पूरे भारत और दुनिया के कई मुल्कों में सरकार के विकास कार्यों के बारे में लोग जान रहे हैं क्योंकि राकेश शर्मा ने प्रदेश के सूचना और जनसंपर्क विभाग ने अपने प्रदेश के सभी जिलों में स्थित विभाग के कार्यों को पूरी तरह से नवीनतम ढांचे में विकसित करने और जिला स्तर पर ज्यादा से ज्यादा सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म का ज्यादा उपयोग करना सुनिश्चित किया है। जिसके माध्यम से प्रदेश सरकार की ओर से लिए जाने वाले हर छोटे-बड़े निर्णय, जन कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का लेखा-जोखा प्रदेश के शहर से लेकर गांव में मोबाइल रखने वाले किसान और मजदूर तक तो पहुंच ही रहा है इसके अलावा देश और दुनिया में भी सरकार की उपलब्धियां की जानकारी नियमित रूप से लोगों को मिल रही है । जिस दिन राकेश शर्मा ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में आयुक्त पद की जिम्मेदारी संभाली थी उसी दिन इन्होंने पत्रकारों से साफ कहा था कि प्रचार प्रचार के परंपरागत साधनों का उपयोग करते हुए प्रचार प्रसार के लिए ज्यादा से ज्यादा नवीनतम तकनीक संसाधनों का उपयोग करने की दिशा में उनका पूरा फोकस रहेगा। अपनी इस बात पर शर्मा खरे उतर रहे हैं और उन्होंने आधुनिक संचार संसाधनों और तकनीक का उपयोग करते हुए प्रदेश की भजनलाल सरकार के विकास कार्यों की गूंज प्रदेश के शहर, गांव ढाणी से लेकर दुनिया के कई मुल्कों रहने वाले लोगों तक पहुंचा रहे हैं ।

### सरकार और मीडिया के बीच बेहतर तालमेल और समन्वय बनाने में काफी हद तक सफल साबित हुए

प्रदेश में जब से राकेश शर्मा के हाथ में डीआईपीआर की कमान आई है तब से सरकार और मीडिया जगत के लोगों के बीच पहले की तुलना में ज्यादा सकारात्मक अच्छे संबंध स्थापित हुए हैं। सरकार और मीडिया से जुड़े लोगों के बीच आपस में बेहतर ताल में और समन्वय कायम हुआ है जिससे एक तरफ प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में काफी आसानी और फायदा हुआ है तो दूसरी तरफ सरकार और मीडिया के बीच आपस में अच्छे संबंध स्थापित होने से प्रदेश की जनता को भी काफी फायदा हो रहा है। क्योंकि लोगों को प्रदेश और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं विकास कार्यों और अच्छे निर्णय के बारे में लगातार जानकारियां मिल रही है जो कहीं ना कहीं उन लोगों के लिए और भी फायदेमंद साबित हो जाती हैं जिन्हें सरकार की योजनाओं की जानकारी नहीं होती है इसलिए सरकार और मीडिया के बीच अच्छा तालमेल और समन्वय प्रदेश के विकास के लिए भी गुणकारी साबित हो रहा है । कई बार सरकार और मीडिया के मध्य आपस में किसी कारणवश दूरियां हो जाती है तो सरकार और मीडिया दोनों के समक्ष बड़ी-बड़ी चुनौती और बड़ी-बड़ी समस्याएं आकर खड़ी हो जाती हैं इसलिए दोनों के बीच बेहतर ताल में और सब में बने रहने दोनों के बीच बेहतर ताल और समन्वय बने रहने से किसी एक को फायदा नहीं होता बल्कि कई पक्ष को फायदा होता है इसलिए राकेश शर्मा ने अपने व्यवहार, वर्किंग स्टाइल और सबको समान महत्व देने की प्रवृत्ति से प्रिंट, मीडिया इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म से जुड़े लोगों को सरकार के साथ जोड़े रखने में काफी हद तक सफलता प्राप्त कर ली है अगर किसी वजह से प्रिंट मीडिया के किसी ग्रुप या फिर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के किसी ग्रुप का सरकार के साथ जरा भी तालमेल और समन्वय बिगड़ता हुआ दिखे तो तत्काल ही राकेश शर्मा एक मजबूत मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए नजर आए हैं जिसकी वजह से पिछले तीन महीना में कभी भी किसी भी मीडिया ग्रुप और सरकार के बीच आपस में तालमेल और समन्वय बिगड़ने की खबरें सुनने को नहीं मिली इसमें राकेश शर्मा की भूमिका को इग्नोर नहीं किया जा सकता ।

### आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक पर पेनी नजर रख रही है राकेश शर्मा की तीसरी आंख

आज पूरी दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक का बोलबाला है केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की भजनलाल सरकार ही नहीं बल्कि देश की अन्य राज्य सरकारी भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का उपयोग करने में विश्वास रखती हैं । लेकिन यह भी सच है कि यह तकनीक केंद्र और प्रदेश सरकारों तथा आम जन के लिए फायदेमंद होने के अलावा कई बार इस तकनीक के माध्यम से गलत फर्जी और बनावटी खबरें भी आसानी से प्रचारित और प्रसारित कर दी जाती है जो सरकारों के लिए और आमजन के लिए भी कई बार नुकसान दायक साबित हो जाती है । इसलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक के माध्यम से कोई जानबूझकर सुनियोजित तरीके से प्रदेश सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत करके सरकार की छवि को खराब ना कर दे इस महत्वपूर्ण विषय पर राकेश शर्मा खुद तीसरी आंख की तरह काम करते हुए हमेशा सोशल मीडिया की गतिविधियों पर नजर रखते हैं ताकि कोई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का गलत तरीके से इस्तेमाल करके सरकार की छवि को नुकसान न पहुंच सके। इसके लिए राकेश शर्मा खुद भी काफी गंभीर हैं और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के जिला स्तर पर पोस्टेड अधिकारियों और कर्मचारियों को भी इस विषय पर नियमित रूप से निगरानी रखने के निर्देश दिए हुए हैं।

## *सरकार की बजट घोषणा, विधानसभा की कार्रवाई इत्यादि प्रक्रियाओं का प्रभावी और उत्कृष्ट तरीके से करवाया प्रचार प्रसार*

*राजस्थान विधानसभा के पिछले बजट सत्र की कार्रवाई में सरकार की और से विधानसभा में प्रस्तुत किए गए बजट, विधानसभा में सरकार की ओर से पारित करवाए गए बिल, विधानसभा में सरकार की ओर से दिए गए विभिन्न निर्णय इत्यादि का प्रभावी और उत्कृष्ट तरीके से प्रचार प्रसार करने में इस बार सूचना और जनसंपर्क विभाग की तैयारी काफी देखने लायक की ।इसके लिए राकेश शर्मा ने नवाचारों और नवीन प्रयोग के माध्यम से सरकार के बजट से जुड़ी सभी जानकारी को संचार संसाधनों के परंपरागत माध्यमों के अलावा आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से प्रभावी और उत्कृष्ट तरीके से संपादित करना सुनिश्चित किया था इसके लिए सूचना और जनसंपर्क विभाग के प्रदेश के सभी जिलों में स्थित कार्यालय को भी दिन और रात बजट सत्र के दौरान एक्टिव मोड पर रखा ।जिसकी वजह से पल-पल की विधानसभा की कार्रवाई प्रदेश की जनता तक पहुंचती रही सरकार की बजट की घोषणाओं और सरकार के आगामी कार्यक्रमों और नीति के बारे में प्रदेश का कोई भी व्यक्ति जानने के लिए अछूता न रहे इसके लिए सूचना और जनसंपर्क विभाग की ओर से प्रदेश भर में बड़े पैमाने पर होर्डिंग,बैनर इत्यादि स्थापित किए गए। यहां तक की प्रदेश प्रदेश के विभिन्न शहरों और प्रदेश से बाहर जा रही राजस्थान रोडवेज की बसों पर भी सरकार की उपलब्धियां और योजनाओं के बारे में विज्ञापन प्रिंट करके सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों के बारे में ज्यादा से ज्यादा प्रभावित तरीके से जानकारी देने की कोशिश की गई इसी का परिणाम रहा कि प्रदेश की भजनलाल सरकार के पिछले सवा दो साल में किए गए विकास कार्यों और ऐतिहासिक निर्णय की चर्चा पूरे देश में होती रही ।*

### पिछले 28 साल की नौकरी में बेदाग सर्विस रही, ईमानदार ऑफिसर का जीवंत उदाहरण है राकेश शर्मा

जानकारी के अनुसार राकेश शर्मा ने पिछले 28 साल में भाजपा और कांग्रेस पार्टी की सरकारों में हमेशा ऐसे विभागों में पोस्टेड रहे जहां अधिकारी तो क्या एक चपरासी भी मालामाल आसानी से हो सकता है लेकिन यह राकेश शर्मा की ईमानदारी का ही परिचय है कि आज तक किसी ने भी शर्मा की ईमानदारी और निष्ठा पर सवाल खड़े नहीं किया। यही कारण रहा की शर्मा की ईमानदारी और समर्पित भाव से काम करने की प्रवृत्ति को देखकर ही प्रदेश में विभिन्न पार्टी की सरकारों ने इन्हें ऐसे विभागों में काम करने का ज्यादा अवसर दिया। जहां भ्रष्टाचार की गुंजाइश ज्यादा होती है ताकि उन विभागों में भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सके इसमें शर्मा सरकार की सोच और विश्वास पर हमेशा खरे उतरे और खुद भी ईमानदारी से काम किया और अपने अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को भी इमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित किया पिछले 28 साल की सर्विस में शर्मा जयपुर विकास प्राधिकरण में भी कई सालों तक अलग-अलग पदों पर नियुक्त रहे इसके अलावा जयपुर नगर निगम में भी नियुक्त रहे ।जयपुर परिवहन अधिकारी के रूप में भी नियुक्त रहे प्रदेश के पर्यटन विभाग में भी अतिरिक्त निदेशक पद पर नियुक्त रहे इसी तरह से राजस्व, पंजीयन और एक्साइज विभाग में भी अच्छे पदों पर नियुक्त रहे लेकिन कभी भी अपनी इतनी लंबी सर्विस में अपने पर दाग नहीं लगने दिया यही शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि और खासियत रही और शायद यही वजह है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी उन्हें सूचना और जनसंपर्क विभाग की जिम्मेदारी सैनिक निर्णय लिया।

### डीआईपीआर की खबरों, प्रेजेंटेशन,फोटो इत्यादि सभी में गुणात्मक सुधार नजर आया

जानकारी के अनुसार राकेश शर्मा प्रदेश भर में विभिन्न जिलों में नियुक्त सूचना और जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ नियमित रूप से संवाद करते रहते है। उनसे बातचीत करके सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कामों में और कहां-कहां सुधार की गुंजाइश है इन सब के बारे में भी विचारों को शेयर करते रहते हैं, डीआईपीआर की और से भेजी जाने वाली खबरे, फोटो, खबरों के हेडिंग, प्रेजेंटेशन हर छोटे छोटे विषयों पर पूरा फोकस रखते हैं और जहां भी उन्हें सुधार की गुंजाइश होती है वहां तुरंत अधिकारियों को सुधार करने की सलाह और निर्देश देते हैं उनके काम करने की इस प्रवृत्ति से सूचना और जनसंपर्क विभाग की कार्यशैली और कार्यप्रणाली में भी नयापन और गतिशीलता देखने को मिल रही है पहले की तुलना में डीआईपीआर से आने वाली खबरों में नयापन दिख रहा हैऔर फोटोस पहले की तुलना में गुणात्मक तरीके से ज्यादा आकर्षक और प्रभावी दिख रहे हैं इसके अलावा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से सरकार के विकास कार्यों को लेकर प्रकाशित होने वाली पुस्तक भी पहले की तुलना में प्रिंट, डिजाइन और विषय सामग्री के मामले में पहले की तुलना में ज्यादा प्रभावी और उत्कृष्ट तथा आकर्षक दिख रही हैं जो कहीं ना कहीं राकेश शर्मा की नई सोच और नवाचारों को इंगित करती हैं ।

## सम्पादकीय

### 'पाषाण युग' की धमकी के बीच जलता विश्व, जंग से ज्यादा खतरनाक होती बयानबाजी

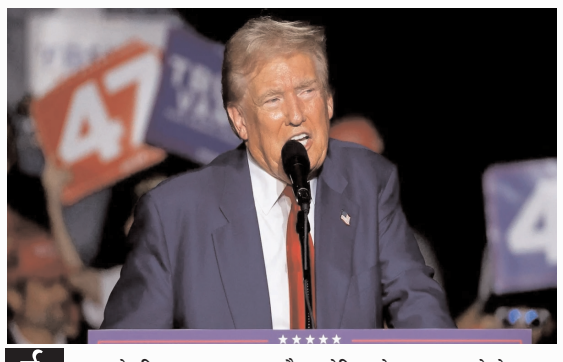

ईरान के खिलाफ इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद दुनिया भर में इस बात को लेकर चिंता जताई जा रही है कि अगर युद्ध और लंबा खिंचा तो इसके असर से बहुत सारे देशों में बहुस्तरीय संकट पैदा होंगे। युद्ध शुरू होने के करीब एक महीने के बाद यह साफ देखा जा सकता है कि कई देशों में तेल और गैस का व्यापक संकट खड़ा हो गया है और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। युद्ध में शामिल देशों के शीर्ष नेतृत्व से यह उम्मीद की जाती है कि वे संयम और धीरज के साथ घटनाओं और परिस्थितियों पर परिपक्व टिप्पणी करें, ताकि तनाव को कम करने में मदद मिले और युद्ध को खत्म करने का कोई रास्ता निकले। मगर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शायद इन बातों को गंभीरता से लेने की जरूरत महसूस नहीं होती। यह बेवजह नहीं है कि आए दिन वे कोई न कोई ऐसी टिप्पणी कर देते हैं, जिससे स्थितियां ज्यादा जटिल हो जाती हैं। गौरतलब है कि गुरुवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका आने वाले दो-तीन हफ्तों में ईरान पर बड़ा हमला करने जा रहा है और हम उन्हें पाषाण युग में पहुंचा देंगे। यह कोई पहला मौका नहीं है, जब ट्रंप ने कोई ऐसा बयान दिया है, जिससे युद्ध खत्म होने की कोई राह निकलने के बजाय स्थिति और बिगड़ने की ही भूमिका बनी। इससे पहले भी वे अपने गैरजरूरी बयानों के जरिए तनाव और टकराव को ज्यादा तीखा बनाने की कोशिश कर चुके हैं। सवाल है कि उन्हें ऐसा क्यों लगता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति होने के नाते कही गई उनकी बातों से केवल डर और समर्पण ही पैदा होगा। ऐसे बयानों का हासिल आखिर क्या होता है, सिवाय इसके कि तनाव में और ज्यादा बढ़ोतरी हो जाती है, दोतरफा हमले और तेज हो जाते हैं। अपने ऊपर हमले के बाद ईरान ने जिस तरह लगातार कड़ी प्रतिक्रिया दी है, मिसाइलों के जरिए अमेरिकी और इजराइली ठिकानों पर सटीक हमले किए हैं, उससे साफ है कि वह फिलहाल सामना करने के रुख पर कायम है। मगर इस सबका नतीजा यह सामने आ रहा है कि दुनिया के बहुत सारे देश अब धीरे-धीरे कई तरह की संकटों से घिर रहे हैं। ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, उसके बाद भारत सहित कई देशों में तेल और गैस की आपूर्ति व्यापक पैमाने पर बाधित हुई है। ऊर्जा की कमी से उपजी मुश्किल अब जिस स्तर पर गहराती जा रही है, उससे समूची दुनिया किसी न किसी रूप से प्रभावित होने वाली है। अभी से दबे स्वर में ऊर्जा संकट की वजह से सब ठप पड़ने की आशंका जताई जाने लगी है। जिन देशों के पास अपने संसाधन हैं, वे शायद संकट का सामना कुछ समय तक कर लेंगे, लेकिन जहां कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति के लिए अन्य देशों पर निर्भरता है, वहां आने वाले दिनों में कैसी परिस्थिति पैदा हो सकती है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। इस संकट की व्यापकता की अनदेखी करते हुए ट्रंप जिस तरह जंग की आग को और भड़काने वाले बयान देते हैं, उससे यही लगता है कि शायद समस्या का हल निकालने और शांति कायम करने में उनकी कोई रुचि नहीं है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि युद्ध भले ही अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच हो रहा हो, लेकिन उसकी मार कई देशों को झेलनी पड़ रही है। जबकि यह भी तय है कि समस्या का हल आखिर संवाद के जरिए ही निकलना है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जनरल रैंडी जॉर्ज को अपना पद छोड़ने के लिए कह दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच यह बड़ा फैसला लिया गया है।

## कहानी

### भक्त शिरोमणी

भगवान का नाम होश खोकर सुंदरता से आलापना ही उनकी चाह, ब्रह्मानंद था । भजन गाते केदार राग में वे रंग जाते । इस राग की रसमोहिनी से प्रत्यक्ष श्रीकृष्ण उन्हें अंकित हुए थे । इस राग से उन्होंने अनेकों के दुख दूर किए तथा कितने ही लोगों का सुख बढाया था । राग के स्वरों से सर्पदंश हुए एक हरिजन बालक के प्राण वापस आए थे । एक बार एक भला गृहस्थ ब्राह्मण नरसी के पास आया । बेटी की शादी हेतु धन कहां से लाया जाए यह चिंता उसे सता रही थी । नरसी की महती उसने सुनी थी । वह इस भक्तश्रेष्ठ की शरण में आया । नरसी ने उससे पूछा, "कितना धन चाहिए ?" ब्राह्मण ने डरते डरते उत्तर दिया, "500 रुपये." वे साहूकार के घर गए । लोभी तथा चाणाक्ष साहूकार को नरसी का भक्ति वैभव उसे मालूम था । उनके केदार राग की कीर्ती उसने सुनी थी । उसने कहा, "पैसे देता हूं; किंतु धरोहर क्या रखोगे ?" साहूकार ने एक मार्ग सुझाया, "तुम्हारा केदार राग धरोहर रखो । पैसा देता हूं । " संत नरसी मेहता के पास वह ही एक मूल्यवान चीज थी । फिर भी 'अब श्रीकृष्ण के प्रत्यक्ष दर्शन से वंचित रहुंगा । जीवन का सर्वश्रेष्ठ आनंद खो बैठुंगा ', यह विचार उनके मन में नहीं था । उन्होंने कहा, "केदार राग धरोहर के रूप में रखो; किंतु ब्राह्मण को धन दो । " ' ब्याजसमेत पैसा वापस होने तक नरसी केदार राग भूले से भी गाएगा नहीं, ', यह प्रमुख शर्त थी । मंगल कार्य संपन्न हुआ । उस आनंद के सामने अपने नुकसान की खंत संत नरसी को नहीं लगी । केदार राग के बिना भजन, कीर्तन शुरू था; किंतु मजा नहीं था, मन लग नहीं रहा था । भगवान के प्रत्यक्ष दर्शन बिना हृदय की प्यास बुझ नहीं रही थी । दिन-पर-दिन निकल गए; किंतु धन नहीं मिल रहा था । साहूकार का कर्जा नहीं उतर रहा था तथा केदार राग बंधमुक्त हुए बिना नरसींको शांति नहीं मिल रही थी । उसी समय निंदकों ने भी उनकी भक्ति झूठी होने के आरोप किए । राजा द्वारा नरसीं को बुलाया गया । उनकी भक्ति की परिक्षा लेना तय हुआ - 'राजमहल के एक कक्ष में श्रीकृष्ण की एक मूर्तिरखी गई । मूर्ति के हाथ में एक पुष्पहार दिया गया । उस मूर्ति के आगे नरसीं अपना भजन, कीर्तन करें । श्रीकृष्ण सजीव होकर नरसीं के गले में पुष्पहार पहनाए । यदि यह बात विशिष्ट कालावधि में घटित नहीं हुई, तो नरसी के उपर लगाए आरोप सही मानकर शासन किया जाएगा । ' यह राजाज्ञा नरसीं को सुनाई गई । नरसी अविचल थे ! उन्होंने कहा, "प्रभू की इच्छा होगी वैसा ही होगा । " नरसीं ने श्रीकृष्ण के सामने आसन जमाया, टाळवीणा ली । 'नरसीं की भक्ति सच्ची अथवा निंदकों की आसुरी शक्ति सच्ची ', यह निर्णय लगना था । नटनागर को भक्तों की परिक्षा लेने का शौक ! नरसीं हेतु प्रकट होना, श्रीकृष्ण के लिए असंभव थोडे ही था ! केदार राग आलापे बिना श्रीहरी अपनी जग हसे न हिले, क्या संत नरसी मेहता की साधना, भक्ति इतनी लूली-लंगडी, दुबली थी ? समय आगे-आगे जा रहा था । बीच रात का समय आया । नरसीं की कसौटी का क्षण दूर नहीं था । विरोधकों की आशाएं जागृत हुई । उसी समय नगरी में चमत्कार हुआ । साहूकार के दरवाजेपर हलकी सी थपकी हुई । नरसी मेहता की आवाज उसे सुनाई दी, "कृपा कर के दरवाजा खोलिए ।" साहूकार ने स्वागत किया । नरसीं ने ब्याज एवं मूल रखा तथा कहा, "पैसे वापस करने में देर हुई । क्षमा करना । 'केदार' राग मुक्त हुआ ऐसी रसीद दो । " साहूकार ने पैसे लिए तथा करारपत्र निकाला । पैसा पहुंचने के हस्ताक्षर कर कागज संत नरसी मेहता को दे दिया । इधर भजन करते संत नरसी मेहता ने ऐसे ही आंख खोलकर कृष्णमूर्तिकी तरफ देखा । उतने में एक कागज हलके से उनके सामने आया । ब्याज-मूल पहुंचने का साहूकार का हस्ताक्षर किया करार पत्र देंखकर नरसी अचंभित हुए ! उनके आनंद की सीमा नहीं रही । श्रीकृष्ण की लीला अगाध थी । उनका केदार मुक्त हुआ था ! नरसीं ने केदार राग में भजन आलापना आरंभ किया ।

# जरूरी था ट्रांसजेंडर कानून में बदलाव

*नेशनल लीगल सर्विसेज अथारिटी, नालसा और द कर्नाटक स्टेट जेंडर एंड सेक्सुअलिटी माइनारिटीज फार कन्वर्जेंस जैसी संस्थाएं यह कह कर विरोध कर रही हैं कि किसी भी व्यक्ति को उसकी आनुवांशिक संरचना से इतर इच्छानुसार अपना लिंग घोषित करने का अधिकार होना चाहिए। नालसा बनाम केंद्र सरकार वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने नालसा का यह तर्क माना था और 2019 का ट्रांसजेंडर अधिनियम उसी आधार पर बना था। अब संशोधन विधेयक ने पुनः ट्रांसजेंडर एक्टिविज्म और लिंग पहचान राजनीति को विमर्श का बिंदु बना दिया है। सामान्यजन को भले ही आश्चर्य हो कि किसी व्यक्ति का लिंग निर्धारण क्रोमोसोम जैविकी की अपेक्षा उसकी भावनाओं पर कैसे आधारित हो सकता है, परंतु ऐसा मत पश्चिम के अकादमिक जगत और राजनीति में प्रबल रूप ले चुका है।*

*लिंग पहचान की स्वघोषणा से ऐसी विचित्र स्थिति बन गई है कि पुरुष महिला प्रसाधन कक्ष और महिला जेलों में प्रवेश पा रहे हैं एवं महिला खेल एवं प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले रहे हैं। इसी तरह पश्चिम में 'शी' या 'ही' की बजाय 'जी' और 'हिम' या 'हर' के स्थान पर 'हिअर' जैसे लिंग निरपेक्ष सर्वनामों के उपयोग की हठ है। यह दुष्चेष्टा माता-पिता की सहमति के बिना बच्चों को स्कूल में अपना नाम और सर्वनाम बदलने की अनुमति देती है और चिकित्सकों द्वारा अवयस्कों के लिंग परिवर्तन की पैरवी भी करती है। भारत में*

गत दिनों ट्रांसजेंडर के अधिकारों से जुड़े संशोधन विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। 2019 के अधिनियम में सुधार की दृष्टि से लाए गए ट्रांसजेंडर (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक में किसी को जबरन ट्रांसजेंडर दर्शाने या उससे भीख मंगवाने पर 10 वर्ष की सजा का प्रविधान है। बच्चों की ऐसी प्रस्तुति-शोषण पर यह सजा आजीवन कारावास तक हो सकती है।

अगवा कर ट्रांसजेंडर बनाने के उद्देश्य से अंग-भंग पर भी कड़ी सजा का प्रविधान है। मौजूदा कानून में ट्रांसजेंडरों के प्रति भेदभाव-दुर्व्यवहार पर दो साल तक की सजा थी। पहले से व्यापक और कड़े प्रविधानों के बावजूद इस बिल का विरोध हो रहा है। विरोध का मूल कारण वह प्रस्ताव है, जो ट्रांसजेंडर पहचान को स्व-अनुभूत लिंग पहचान की अपेक्षा मेडिकल सत्यापन से तय करता है। नए विधेयक के बाद ट्रांसजेंडर को उचित अधिकारी से मेडिकल प्रमाणपत्र लेना होगा।

नेशनल लीगल सर्विसेज अथारिटी, नालसा और द कर्नाटक स्टेट जेंडर एंड सेक्सुअलिटी माइनारिटीज फार कन्वर्जेंस जैसी संस्थाएं यह कह कर विरोध कर रही हैं कि किसी भी व्यक्ति को उसकी आनुवांशिक संरचना से इतर इच्छानुसार अपना लिंग घोषित करने का अधिकार होना चाहिए। नालसा बनाम केंद्र सरकार वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने नालसा का यह तर्क माना था और 2019 का ट्रांसजेंडर अधिनियम उसी आधार पर बना था। अब संशोधन विधेयक ने पुनः ट्रांसजेंडर एक्टिविज्म और लिंग पहचान राजनीति को विमर्श का बिंदु बना दिया है। सामान्यजन को भले ही आश्चर्य हो कि किसी व्यक्ति का लिंग निर्धारण क्रोमोसोम जैविकी की अपेक्षा उसकी भावनाओं पर कैसे आधारित हो सकता है, परंतु ऐसा मत पश्चिम के अकादमिक जगत और राजनीति में प्रबल रूप ले चुका है।

लिंग पहचान की स्वघोषणा से ऐसी विचित्र स्थिति बन गई है कि पुरुष महिला प्रसाधन कक्ष और महिला जेलों में प्रवेश पा रहे हैं एवं महिला खेल एवं प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले रहे हैं। इसी तरह पश्चिम में 'शी' या 'ही' की बजाय 'जी' और 'हिम' या 'हर' के स्थान पर 'हिअर' जैसे लिंग निरपेक्ष सर्वनामों के उपयोग की हठ है। यह दुष्चेष्टा माता-पिता की सहमति के बिना बच्चों को स्कूल में अपना नाम और सर्वनाम बदलने की अनुमति देती है और चिकित्सकों द्वारा अवयस्कों के लिंग परिवर्तन की पैरवी भी करती है। भारत में अभी तक अवयस्कों को ऐसे अधिकार नहीं हैं, परंतु यदि पश्चिम प्रेरित पैरवी रोकी नहीं गई तो इस सक्रियता की दिशा वही होगी। इस पूरे विमर्श में बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसी विकृति को बढ़ावा देने का उद्देश्य आखिर क्या है?

ट्रांसजेंडर सक्रियता, यौन स्वच्छंदता को बढ़ावा नए वाम की उस रणनीति का हिस्सा है, जो श्रमिक केंद्रित पुराने मार्क्सवाद से आगे बढ़ कर ऐसे राजनीतिक गठबंधन का निर्माण करना चाहती है, जिसमें श्रमिकों के साथ-साथ मजहबी, भाषाई, नस्लीय एवं लैंगिक अल्पसंख्यकों का समूह बने। नव वाम का मक्का माने जाने वाले फ्रैंकफर्ट स्कूल के विचारकों का मानना है कि सत्ता केवल पूंजीपति और राज्यों के पास नहीं बल्कि पंथ, राष्ट्र, परिवार जैसे सामाजिक संस्थान, भाषाई एवं सांस्कृतिक प्रभुत्व, सामाजिक और नैतिक मान्यताओं में निहित है।

इसी विचार से संबद्ध जूडिथ बटलर की नजर में जैविक लिंग को महिला या पुरुष जैसी पहचान में बांधना उसी वर्चस्व का प्रतीक है। यौन क्रांति के जनक विल्हेम राईख के अनुसार पितृसत्तात्मक परिवार विनम्र, फासीवादी बनाने का कारखाना है। राईख के अनुसार बचपन से यौन मुक्ति को प्रोत्साहित कर व्यक्ति का चारित्रिक कवच तोड़ा जा सकता है और फिर वह सभी प्राधिकारों के खिलाफ विद्रोही बन जाएगा। 'नव वामपंथ के पिता' हर्बर्ट मार्क्यूस ने परिवार व्यवस्था को तोड़ने और पूंजीवादी पश्चिमी समाज की उत्पादकता को पंगु बनाने के लिए यौन स्वच्छंदता और बहुगामी व्यभिचार को बढ़ावा देने की बात कही। कट्टरपंथी नारीवादी शुलामिथ फायरस्टोन ने कहा कि लिंगों के बीच जैविक अंतर सभी उत्पीड़न की जड़ है और द्विआधारी लिंग वर्ग का उन्मूलन होना चाहिए। उनके अनुसार जब तक महिलाएं 'प्रजनन के अत्याचार' और बच्चे अपने माता-पिता से 'मुक्त' नहीं हो जाते, तब तक सच्ची क्रांति असंभव है।

नव वामपंथ जेंडर फ्लुइडिटि यानी लिंग 'तरलता' की बात करता है। महिला और पुरुष रूपी पारंपरिक लिंग द्वैत को चुनौती देने और ट्रांसजेंडर अस्पष्टता को बढ़ावा देने में सबसे बड़ा योगदान जान मनी और अल्फ्रेड किंसे का है। मनोविज्ञानी जान मनी के मुताबिक लिंग पहचान जैविक संरचना की अपेक्षा काफी हद तक पालन-पोषण का परिणाम है। मनी ने शिशुओं की लिंग परिवर्तन सर्जरी एवं हार्मोनल थेरेपी की वकालत की और बच्चों को उनके विपरीत लिंग वाले परिवेश में पालने पर जोर दिया। तमाम सर्वेक्षण इसकी पुष्टि करते हैं कि बालपन में ऐसे विचित्र प्रयोग भोगने वालों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। ऐसे प्रकरण पश्चिम ही नहीं, बल्कि भारत में भी होते रहे हैं। 2021 में प्रमुख ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट और केरल की पहली ट्रांसजेंडर रेडियो जाकी अनन्या कुमारी ऐलेक्स ने गलत सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी को अपनी आत्महत्या का कारण बताया था। यह दुखद है कि सामाजिक व्यवस्था को गहरी क्षति पहुंचाने के बावजूद ऐसे मनोविज्ञानी, समाजशास्त्री और अकादमिकों की विश्व पटल पर तूती बोल रही है।

# बंगाल में मुस्लिम मतों का रुझान

*प्रश्न है कि इस बार मुस्लिम मतों की प्रवृत्ति किस ओर रहेगी? अगर पिछले विधानसभा चुनाव को आधार बनाएं तो मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर, बीरभूम और साउथ 24 परगना जैसे जिलों में 85 ऐसी सीटें हैं, जिन पर मुस्लिम जनसंख्या 35 प्रतिशत से ज्यादा है। इनमें से 75 सीटें तृणमूल के पास हैं। जितनी आक्रामक होकर तृणमूल मुसलमानों के साथ खड़ी होती है, उससे उनका ध्रुवीकरण उसके पक्ष में बनता है। मुर्शिदाबाद में पिछले वर्ष हिंदू विरोधी भयानक दंगे में जब लोग पलायन करने को मजबूर थे, तब ममता कोलकाता में इमामों और मौलवियों की सभा में दंगों के लिए भाजपा और आरएसएस को दोषी ठहरा रही थीं। बंगाल में सीएए विरोधी आंदोलन के समय भी भारी हिंसा हुई थी, पर ममता सरकार ने उपद्रवियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई नहीं की। एनआरसी और सीएए का भय दिखाकर ममता मुसलमानों को*

पश्चिम बंगाल चुनाव का एक प्रमुख विश्लेषण हमेशा मुस्लिम मतों पर केंद्रित रहता है। कई वर्षों से राज्य की सत्ता पर काबिज मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की निरंतर विजय में मुस्लिम मतों की प्रमुख भूमिका मानी जाती रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार बंगाल की आबादी करीब 9.13 करोड़ थी, जिसमें मुस्लिम लगभग 2.5 करोड़ थे। इस समय बंगाल की कुल जनसंख्या 10.5 करोड़ से ऊपर होगी, जिसमें मुस्लिम तीन करोड़ से अधिक हो सकते हैं। बंगाल में मुस्लिम बहुल जिले हैं मुर्शिदाबाद-66.3 प्रतिशत, मालदा-51.3, उत्तर दिनाजपुर-50, बीरभूम-37, दक्षिण 24 परगना-35.5 और नादिया-26.7 प्रतिशत।

यदि भाजपा जबरदस्त टक्कर देने के बावजूद पिछले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की सत्ता को नहीं हिला पाई तो उसका एक कारण मुस्लिम वोट भी थे। मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखने वाले पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर ने असदुद्दीन ओवैसी की एआइएमआइएम से गठबंधन कर उसे आठ सीटें दी हैं। हुमायूं कबीर ने 182 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी के साथ सौ से ज्यादा सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है। पिछली बार फुरफुरा शरीफ के इमाम ने भी अपनी पार्टी बनाकर कांग्रेस और वाम मोर्चा के साथ गठबंधन किया था, पर उनका भी प्रभाव नहीं पड़ा और मुसलमान कुल मिलाकर तृणमूल के साथ ही गए। मुसलमान भाजपा को हराने के लिए मतदान करते हैं।

प्रश्न है कि इस बार मुस्लिम मतों की प्रवृत्ति किस ओर रहेगी? अगर पिछले विधानसभा चुनाव को आधार बनाएं तो मुर्शिदाबाद, मालदा, उत्तर दिनाजपुर, बीरभूम और साउथ 24 परगना जैसे जिलों में 85 ऐसी सीटें हैं, जिन पर मुस्लिम जनसंख्या 35 प्रतिशत से ज्यादा है। इनमें से 75 सीटें तृणमूल के पास हैं। जितनी आक्रामक होकर तृणमूल मुसलमानों के साथ खड़ी होती है, उससे उनका ध्रुवीकरण उसके पक्ष में बनता है। मुर्शिदाबाद में पिछले वर्ष हिंदू विरोधी भयानक दंगे में जब लोग पलायन करने को मजबूर थे, तब ममता कोलकाता में इमामों और मौलवियों की सभा में दंगों के लिए भाजपा और आरएसएस को दोषी ठहरा रही थीं। बंगाल में सीएए विरोधी आंदोलन के समय भी भारी हिंसा हुई थी, पर ममता सरकार ने उपद्रवियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई नहीं की। एनआरसी और सीएए का भय दिखाकर ममता मुसलमानों को आभास दिलाती रहती हैं कि उनके सत्ता में रहने से ही वे सुरक्षित हैं। मुसलमानों को साथ रखने के लिए भाजपा का भय उनका बहुत बड़ा अस्त्र है। 2011 के चुनाव में ममता ने सच्चर कमेटी की रिपोर्ट लागू करने का वादा किया था। दो साल बाद उन्होंने घोषणा की कि रिपोर्ट का 90 प्रतिशत हिस्सा लागू किया जा चुका है। शायद ही किसी राज्य सरकार ने इतनी त्वरित गति से ऐसा किया हो। हर चुनाव में ममता मुसलमानों के लिए कुछ नई घोषणाएं करती हैं। आचार संहिता लागू होने से दो दिन पहले ही उन्होंने इमामों का भत्ता बढ़ाने की घोषणा की। मुस्लिम छात्र-छात्राओं की स्कालरशिप के लिए वे विशेष योजना चलाती हैं। चुनाव से पहले अंतरिम बजट में भी उनकी सरकार ने अल्पसंख्यक मामलों के लिए 5,700 करोड़ रुपये जारी किए। मुसलमानों के सामने यह साफ है कि अगर तृणमूल हारती है तो सत्ता में भाजपा आएगी। इससे मुस्लिम मतों के तृणमूल के साथ जाने के ही संकेत मिलते हैं, किंतु हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी बंगाल में एक नया प्रयोग है। बाबरी मस्जिद की नींव रखते समय एकत्रित भारी भीड़ से माहौल भी बनता दिखा था। कबीर मुसलमानों के बीच अपने चेहरे के रूप में उभर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने अपने कुल 291 उम्मीदवारों में 47 मुस्लिम उतारे हैं। यानी करीब 18 प्रतिशत। पिछली बार की तरह ममता ने मुस्लिम प्रभाव वाले क्षेत्रों से भी हिंदू प्रत्याशी उतारे हैं। वस्तुतः ममता ने मुसलमानों को बहुत ज्यादा टिकट कभी नहीं दिए। इसे हुमायूं कबीर, ओवैसी और अन्य मुस्लिम नेता मुद्दा बना रहे हैं। कहना कठिन है कि यदि हुमायूं कबीर का गठबंधन सौ से ऊपर सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी खड़ा करता है तो उसका कुछ तो असर होगा ही। हुमायूं कबीर और ओवैसी वक्फ संशोधन कानून को मुद्दा बना रहे हैं, जिसे कभी लागू न करने की घोषणा करने वाली ममता ने अंततः उसे चुपचाप लागू कर दिया।

# अराजकता से घिरा बंगाल

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के काम में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से तैनात न्यायिक अधिकारियों को जिस तरह घंटों बंधक बनाए रखा गया, वह इस राज्य में अराजकता हावी हो जाने का एक और प्रमाण ही है। इसी कारण इस घटना पर सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि मालदा जिले में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। इस घटना की गंभीरता का अनुमान इससे लगाया जा सकता है कि जिन अधिकारियों को बंधक बनाया गया, उनमें महिलाएं भी थीं और उन्हें तब मुक्ति मिल सकी, जब खुद सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने सख्त आदेश दिए। चूंकि राज्य के शीर्ष अफसर बंधक बनाए गए न्यायिक अधिकारियों को

छुड़ाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे थे, इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को इस घटना की जांच सीबीआइ या एनआइए से कराने के निर्देश दिए। इसका अर्थ है कि उसे राज्य के शासन-प्रशासन पर तनिक भी भरोसा नहीं। यह बंगाल सरकार के लिए शर्मिंदगी का विषय होना चाहिए, लेकिन यह तय है कि उसकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। यदि ममता सत्ता में लौटीं तो बंगाल में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली ऐसी अराजक घटनाएं फिर से आम हो सकती हैं। हिंसक घटनाओं के सामने पुलिस प्रशासन के मूकदर्शक बने रहने के मामलों में बंगाल सरकार को हाई कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट से न जाने कितनी बार फटकार लग चुकी है, पर नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। मालदा की शर्मनाक घटना पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सारी शक्तियां छीन ली गई हैं। यदि सच में ऐसा है तो फिर उनकी सरकार के वकील ने सुप्रीम कोर्ट से यह आग्रह क्यों किया कि वह अपनी इस टिप्पणी को हटा ले कि कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है? वास्तव में ऐसा कोई निष्कर्ष निकालना निरा झूठ है कि चुनाव वाले राज्य में सरकार शक्तिहीन हो जाती है। सच यह है कि ममता शासन में बंगाल प्रशासन का बुरी तरह राजनीतिकरण हो चुका है और कई पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी तृणमूल कांग्रेस के एजेंट के तौर पर काम करते हैं। जिन अराजक तत्वों ने मालदा में न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाया, उन्हें वोटर लिस्ट से नाम कट जाने वाले क्षुब्ध वोटरों की संज्ञा देना सुप्रीम कोर्ट को धोखा देना ही है। मालदा में मनमानी करने वाले अराजक तत्व ही थे, इसका पता इससे चलता है कि गत दिवस उन्होंने फिर से उत्पात मचाया और पुलिस पर हमला किया। अच्छा हो कि सुप्रीम कोर्ट इस पर ध्यान दे कि बंगाल प्रशासन अराजकता से दृढ़ता से निपटना सीखे-केवल चुनाव के वक्त ही नहीं, बल्कि सामान्य दिनों में भी।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
04 अप्रेल, 2026

## हनुमान जन्मोत्सव पर जागरण, महाआरती में जुटी भीड़

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** शहर में चैत्र सुदी पूर्णिमा के पावन अवसर पर बीहड़ बुंगली बालाजी धाम में हनुमान जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित 15 वें विशाल जागरण में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा मंदिर परिसर भक्ति रस में सराबोर नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य श्रृंगार और अखण्ड ज्योत के साथ हुई। जिसके बाद बालाजी महाराज का दिव्य दरबार सजाया गया। रात्रि 9 बजे से शुरू हुए इस जागरण में महाआरती और पुष्प वर्षा ने माहौल को और भी आध्यात्मिक बना दिया। भजन संध्या में भजन सम्राट संतश्री गुलाबनाथजी महाराज रूकनसर धाम ने अपने मधुर भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वहीं संतश्री कैलाशनाथजी महाराज रूकनसर धाम का पावन सान्निध्य भी भक्तों को प्राप्त हुआ। बीहड़ बुंगली बालाजी भक्त मंडल की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में भक्तों के लिए विशेष भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

## क्षेत्र में अंधड के साथ बरसात, ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** क्षेत्र में शुक्रवार को दोपहर 3 बजे के लगभग अचानक मौसम में हुए बदलाव के बाद तहसील क्षेत्र में तेज अंधड के साथ हुई जमकर बरसात और कुछ स्थानो में ओले गिरने से गेहूं की खड़ी फसलों को नुकसान होने की भी जानकारी मिली है। जानकारी अनुसार बादडिया, कंवलासर में ओले गिरे और विद्युत पोल गिरने की भी जानकारी मिली है। वहीं शहर में भी लगभग जमकर 10 से 15 मिनट हुई से मुख्य बाजार, सब्जी मंडी, बोडिया कुआं, नेता रोड़ पर पानी भर गया। मुणती कुई से घंटाघर तक सड़कों पर पानी भरने से यातायात प्रभावित हो गया। वहीं लोगों की सरसों व अन्य कटी हुई फसलों को भी नुकसान होने की जानकारियां आ रही है। वहीं तहसील कार्यालय में 6 एमएम बरसात रिकॉर्ड की गई हैं।

## बीदासर में श्रीमद् भागवत कथा का पोस्टर विमोचन, 2 से 8 मई तक होगा आयोजन

जयपुर टाइम्स

**बीदासर(निस)।** कस्बे के दड़ीबा क्षेत्र स्थित पानी की टंकी के पास राजा जी चौक में राठी परिवार की ओर से आयोजित होने वाली श्रीमद् भागवत कथा के कार्यक्रम का गुरुवार शाम विधिवत पोस्टर विमोचन किया गया।बआयोजनकर्ता पुसराज राठी ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा का आयोजन 2 मई से 8 मई तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। कथा का वाचन जोधपुर के संत श्री राधा कृष्ण महाराज की ओर से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस अवसर पर माणकचंद राठी, मोहन लाल राठी, निरंजन स्वरूप राठी, निर्मल पारीक, गोपाल प्रजापत, प्रमेश्वर लोहिया, डूंगर मल शर्मा, नथमल भोभारिया, सुशील महाराज, प्रतिम शर्मा, हीरालाल नाई, राजकुमार राठी व मूलचंद मारोठिया सहित कई लोग उपस्थित रहे।

## खटकड़ की बहू ने छत्तीसगढ़ में जीता कांस्य पदक, गांव में स्वागत

जयपुर टाइम्स

**झुंझुनूं(निस)।** केड खटकड़ गांव की बहू ने छत्तीसगढ़ में हुई कुश्ती प्रतियोगिता में 68 किलोग्राम में ऑल इंडिया में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर गांव पहुंचने पर शुक्रवार को हुकमपुरा केड छावडी की ढाणी मे ग्राम वासियों ने शानदार पुष्प माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया। बलकेश मीणा पत्नी विक्रम मीणा के इस उपलब्धि हासिल करने पर गांव की सीमा में डीजे की धुन पर नाचते हुए घर पहुंचे। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, जिला परिषद सदस्य अजय भालोठिया, देवसेना के प्रदेश सचिव धर्मपाल गुर्जर केसरीपुरा, सामाजिक कार्यकर्ता राजवीर कसाना, उमेद सिंह मीणा, मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा, जेपी खटाना किशोरपुरा, लीलाराम भोपा खटाना किशोरपुरा, कोच बजरंगी पहलवान, ससुर कैलाश चंद मीणा, कोच उम्मेद झाझडिया, पूर्व सरपंच विजय खरिटा, पूर्व सरपंच चौथमल कश्यप, सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, भंवरलाल मीणा, ताराचंद मीना रहे। युवा नेता सामाजिक कार्यकर्ता राजवीर कसाना ने कहा कि मेरे गांव के लिए आने वाली युवा पीढ़ी के लिए बलकेश का कांस्य पदक जीतना बहन बेटियों को अच्छी प्रेरणादायक रहेगा। सभी लोगों ने बलकेश मीणा उसके परिवार को बधाई दी।

# इटली में रहने वाली खुद कभी कोलकाता से गोद ली गई थी, अब झुंझुनूं के बच्चे को अपनाकर लिखी नई कहानी

जयपुर टाइम्स

**झुंझुनू(निस)।** झुंझुनूं जिले से एक दिल छू लेने वाली खबर सामने आई है, जहां जन्म के बाद छोड़ दिए गए एक विशेष जरूरत (स्पेशल नीड्स) वाले बच्चे को इटली के दंपती ने गोद लेकर उसे नया परिवार और बेहतर भविष्य दिया है। यह कहानी न केवल मानवता की मिसाल है, बल्कि यह भी दिखाती है कि प्यार और अपनापन किसी सीमा का मोहताज नहीं होता। यह बच्चा जन्म के समय ही कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था। उसकी हालत गंभीर थी और शुरुआती दिनों में उसे विशेष चिकित्सा देखभाल की जरूरत पड़ी। ऐसे हालात में उसे अस्पताल और फिर चाइल्ड केयर संस्थान में रखा गया, जहां उसकी लगातार निगरानी और देखभाल की गई। समय के साथ उसकी स्थिति में सुधार हुआ और इसी दौरान उसके जीवन में एक नया मोड़ आया। जब इटली के एक दंपती ने उसे गोद लेने का निर्णय लिया।

### जन्म से संघर्ष, फिर मिला सहारा:

बच्चे को जन्म के तुरंत बाद ही छोड़ दिया गया था। उसकी स्थिति नाजुक थी, इसलिए उसे पहले झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में रखा गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए जयपुर भेजा गया। कुछ समय बाद उसे चाइल्ड केयर होम में स्थानांतरित किया गया, जहां उसे सुरक्षित वातावरण, पोषण और चिकित्सा सुविधाएं मिलीं। यहां उसकी देखभाल ने उसके जीवन को नई दिशा दी।

### इटली से आया प्यार, बना नया रिश्ता:

इटली के फ्लोरेंस शहर से आए दंपती मार्घेरिटा और डेनिएले ने इस बच्चे को अपनाने का फैसला किया। खास बात यह है कि मार्घेरिटा खुद भी कोलकाता से गोद ली गई थीं, इसलिए उन्होंने इस बच्चे की परिस्थितियों को गहराई से समझा। दोनों ने बिना किसी झिझक के इस बच्चे को अपनाया और उसे अपने परिवार का हिस्सा बनाया। इस गोद लेने की प्रक्रिया में करीब 3 से 4 महीने का समय लगा। सेंट्रल अडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी के जरिए सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं। जब दंपती ने पहली बार बच्चे को अपनी गोद में लिया, तो वह पल बेहद भावुक था। दंपती ने कहा कि वे लंबे समय से बच्चे का इंतजार कर रहे थे और अब उनका परिवार पूरा हो गया है।

### उम्मीद और इंसानियत की मिसाल:

यह कहानी सिर्फ एक गोद लेने की नहीं है, बल्कि यह एक नई शुरुआत की कहानी है। यह दिखाती है कि दुनिया में अभी भी संवेदनशीलता और इंसानियत जिंदा है। एक ऐसा बच्चा जिसे जन्म के बाद छोड़ दिया गया था, आज उसे एक ऐसा परिवार मिला है जो उसे प्यार, सुरक्षा और बेहतर भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह घटना समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश भी देती है कि हर बच्चे को एक मौका मिलना चाहिए। चाहे परिस्थितियां कैसी भी क्यों न हों।

## शिक्षक संघ राष्ट्रीय ब्लाक कार्यकारिणी की बैठक में सदस्यता अभियान पर जोर

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** शहर के पीएमश्री गिरधारी लाल शिवनारायण टांटिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक संघ राष्ट्रीय ब्लाक कार्यकारिणी में खंडस्तरीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन पूर्व जिला अध्यक्ष जगदीश जोशी के नेतृत्व व ब्लॉक अध्यक्ष आशाराम की अध्यक्षता में रखा गया गया। संघ के जिला मंत्री मनोज कुमार गौड़ ने संबोधित करते हुए प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष रमेशचंद्र पुष्करणा के आह्वान को दोहराते हुए कहा कि हमें अधिक से अधिक सदस्यता अभियान में लगकर संगठन को मजबूत करना है। मंत्री मनोज गौड़ ने बताया कि अब शिक्षक संघ राष्ट्रीय अपने नए नाम अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ संघ विदयालयी शिक्षा के रूप में पूरे प्रदेश में कार्य करेगा। जिससे हमें प्रदेश में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के विभिन्न प्रांतों में हुए नवाचारों और शोध का लाभ राजस्थान में भी हमें मिलेगा। पूर्व जिला अध्यक्ष जोशी ने इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया तथा उन्होंने बताया कि शिक्षक संघ राष्ट्रीय है अब अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के नाम से जाना जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष आशाराम ने हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ कार्यक्रम की रूपरेखा को सब कार्यकर्ताओं के समक्ष रखा। मीटिंग में नीलम चौधरी को सर्वसम्मति से महिला मंत्री मनोनीत किया गया। मीटिंग में सुशील गोस्वामी, गंगाराम सुथार, प्रमोद सेवदा, परमानंद स्वामी, छगनलाल शर्मा, रमेश कुमार सैनी, शंकरलाल शर्मा, ताराचंद शर्मा, मनोज कुमार जोशी, बाबूलाल, राकेश, अरुण देराश्री, पूनम महला मौजूद रहे ।

## अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अभ्यास वर्ग का आयोजन

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) उपशाखा, सुजानगढ़ नया नाम अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) का शैक्षिक समस्याओं पर चर्चा एवं उनके समाधान तथा सदस्यता अभियान और अन्य विषयों पर चर्चाओं के लिए संघ का अभ्यास वर्ग राजकीय पीसीबी उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 32 संकुलों के संयोजक और सहसंयोजक उपस्थित रहे। अभ्यास वर्ग को सम्बोधित करते हुए प्रधानाचार्य रामावतार शर्मा ने सदस्यता अभियान, संगठन की रीति, नीति और कार्यशैली से संभागियों का परिचय करवाया। प्रदेश संगठन मंत्री रामेश्वरलाल खीचड़ ने विभिन्न शैक्षिक समस्याओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए उनके समाधान के लिए आने वाले समय में पेश किये जाने वाले ज्ञापन के समय पर संगठन के सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील करते हुए पूर्ण मनोयोग से सदस्यता अभियान की बात कही। अभ्यास वर्ग की अध्यक्षता करते हुए उप शाखा सभाध्यक्ष मदनलाल गुर्जर ने अपनी ओजस्वी वाणी और स्वरचित मुक्तक के माध्यम से उपस्थित संभागियों में नवऊर्जा का संचार किया। प्राचार्य धर्मसिंह मीणा ने विभिन्न पीओ क्षेत्र के अध्यापक अध्यापिकाओं की समस्याओं को लिपिबद्ध करते हुए आगे के ज्ञापनों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर 32 संकुलों से सम्बन्धित संयोजक सहसंयोजक पद का प्रतिनिधित्व कर रहे उपशाखा अध्यक्ष कमल जाखड़, पूनमचन्द सारस्वत, कमल स्वामी, गौतम सिंह तंवर, महिला मंत्री मोनिका झूरिया, प्रकाश कस्वां, सुनील शर्मा, अजय सैनिक, मेहताब सिंह, मनोज छरंग, बजरंगलाल प्रजापत, रामलाल कासौटिया, प्रेमचन्द फलवाड़िया, अनिल लाम्बा, अब्दुल सत्तार पड़िहार, धनराज सिंगोदिया, जीवणदान, बनवारी लाल दाधीच, रामलाल मेघवाल, नरेन्द्र कुमार, ओमपप्रकाश मेघवाल, जयप्रकाश शर्मा, गोवर्धन लाल जान्द्रू, पूनमचन्द रेगर, सुरेन्द्र कुमार वर्मा, रामलाल कासोटिया, हरिकेश वर्मा, मंगलाराम गुर्जर, हंसराज, नरेश कुमार सहित अनेक शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। संध उप शाखा मंत्री मनोज शर्मा ने अभ्यास वर्ग का संचालन किया।

## मनिंदर स्कूल का शानदार रिजल्ट: विज्ञान में अंशिका 96.20' के साथ अव्वल, आर्ट्स में कामना कंवर टॉपर

### मेधावियों व अभिभावकों का हुआ सम्मान

जयपुर टाइम्स

**झुंझुनूं/चनाना।** चनाना कस्बे स्थित मनिंदर स्कूल ने राजस्थान बोर्ड 12वीं परीक्षा 2026 में एक बार फिर उत्कृष्ट परिणाम देकर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। विज्ञान एवं कला संकाय दोनों में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल छा गया।

### विज्ञान संकाय में अंशिका कुमारी अव्वल

आरबीएसई 12वीं विज्ञान वर्ग में अंशिका कुमारी ने 96.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं निशा कुमारी और रिद्धि शर्मा ने 95.60-95.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तमन्ना कुमारी (95.40'), दीपिका कुमारी (94.80'), सुनीता कुमारी (94.20'), अंश काजला (94.00'), निखिल जांगिड़ (93.80'), अंशु कुमारी (92.80'), दामिनी कुमारी (92.60'), पवन कुमार (92.60'), निशा कुमारी (92.20'), दीपांशी (91.00'), पूजा कुमारी (90.40'), पायल कुमारी (90.20') एवं नंदनी कुमारी (90.00') ने भी उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए।

### आर्ट्स में कामना कंवर ने मारी बाजी

कला संकाय में कामना कंवर ने 94.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। हिना कंवर (93.80'), अनु कुमारी (93.00'), नीतीश कुमार (93.00'), दिव्या कुमारी (92.40'), अंशु कुमारी (92.40') और भावना कुमारी (91.40') ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

### मेधावियों और अभिभावकों का सम्मान

विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में टॉपर्स विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों एवं स्टाफ ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर गर्व जताया। विद्यालय के निदेशक कुलदीप सिंह धिवा ने सभी सफल छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षक-स्टाफ को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित वातावरण और विद्यार्थियों पर व्यक्तिगत ध्यान ही इस निरंतर सफलता का आधार है।

## बाजीसर में जागरण व भण्डारा आयोजित

जयपुर टाइम्स

**मण्डावा(निस)।** गांव बाजीसर में हर साल की भांति इस पूर्णिमा पर बालाजी महाराज मंदिर में भंडारे व जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रामगोपाल अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, मुकेश मोदी, विवेक अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, समस्त त्रिमूर्ति बालाजी परिवार की ओर से यह भंडारा का कार्यक्रम 1 साल में दो बार किया जाता है। इस दौरान मंदिर पुजारी पवन शर्मा, केबीसी विजेता सचिन अग्रवाल, समाजसेवी अमित मीणा, विक्रम नायक, हरफूल जांगिड़, संजीव कुमार, जगमाल बुडानिया सहित बड़ी संख्या में भक्त लोग मौजूद रहे।

## प्रत्येक गांव के बारिश आंकड़े जारी करने की मांग

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** भारतीय किसान संघ के तहसील अध्यक्ष पृथ्वी सिंह शेखावत ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर प्रत्येक गांव के बारिश के आंकड़े जारी करने की मांग की है। ज्ञापन में शेखावत ने बताया है कि 19 और 23 मार्च को सुजानगढ़ क्षेत्र के खेतों में फसलों को काफी ज्यादा नुकसान हुआ है। लेकिन बीमा कंपनी की ओर से बारिश के आंकड़े रिजेक्ट किए गए हैं, जबकि कलेक्टर के साथ हुई बैठक में प्रत्येक गांव के बारिश के आंकड़े मंगवाने के आदेश दिए गए थे। इसलिए प्रत्येक गांव और पटवार स्तर पर बारिश के आंकड़े मंगवाने की मांग की गई है।

## डॉ. हैनिमैन जयंती 10 को

**चूरू(निस)।** शेखावाटी होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन सीकर, झुंझुनूं व चूरू जिलों के संयुक्त होम्योपैथ्स का संगठन के तत्वावधान में चूरू के श्रद्धा होम्यो एण्ड योगा सेंटर में विश्व होम्योपैथी दिवस व होम्योपैथी के जनक डॉ. हैनिमैन की 271 वीं जयंती एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अमर सिंह शेखावत की अध्यक्षता में शुक्रवार 10 अप्रैल को दोपहर 1.30 बजे समारोह पूर्वक मनाई जाएगी। सचिव डॉ. बी.के शर्मा ने बताया कि शेखावाटी के तीनों जिलों के अनेक होम्योपैथ्स इस समारोह में भाग लेंगे और होम्योपैथी चिकित्सा, शिक्षा व रिसर्च तथा इसके प्रचार-प्रसार एवं विकास पर गहन मंथन करेंगे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ बी.एल. गौड़ के नेतृत्व में समारोह की तैयारियां चल रही हैं। इस अवसर पर अन्य चिकित्सकों के अतिरिक्त आमजन उपस्थित होकर होम्योपैथी के जन्मदाता डॉ. हैनिमैन को श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे।

## आर्डिनरी कैप्टन शिशपाल सिंह का ग्रामीणों ने किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** भारतीय सेना की आर्टिलरी रेजीमेंट के 626 बैटरी तोपखाना में तैनात आर्डिनरी कैप्टन शिशपाल सिंह अपनी 30 वर्षों की गौरवमयी एवं समर्पित सेवा को पूर्ण करते हुए सेवानिवृत्ति हुए हैं। इस अवसर पर गांव के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया।जब वे गांव पहुंचे, तो सबसे पहले उन्होंने वीरगति प्राप्त राजेंद्र सिंह राठौड की मूर्ति के सामने जाकर उनको विनम्र नमन किया। उसके बाद ग्रामीणों ने उन्हें फूलों की बारिश, बैंड-बाजे और पारंपरिक राजस्थानी रीति-रिवाजों से स्वागत किया। इस अवसर पर पायल कंवर, करनी सिंह राठौर, नायब सूबेदार विक्रम सिंह, युवा छात्र नेता विकास बिजारणियां, ओमप्रकाश शर्मा, सूबेदार सुल्तान सिंह राठौर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी ने कैप्टन शिशपाल सिंह के देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा एवं अनुशासन को सलाम करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों ने कहा कि उनकी 30 वर्षों की निष्कलंक सेवा पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

## मधुमक्खियों के हमले में दस लोग घायल

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** कस्बे के निकटवर्ती लोढ़सर गांव में खेतों में काम करते समय मजदूरों पर मधुमक्खियों के झुण्ड ने हमला कर 10 लोगो क़ो काट लिया। जिनमें से दरिया सिंह, बजावा झुंझुनू, ईश्वर सिंह, लोढ़सर, राजूनाथ रोडू, हेमराज, अनंतपुरा कुचामन क़ो ग्रामीणों ओर टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार ने सुजानगढ़ अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती करा कर इलाज शुरू कराया। डॉ रघुवीर तूनवाल, ओमप्रकाश, सुशीला, ममता स्वामी आदि ने इलाज किया। सभी को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी। बाक़ी 6 लोगो के दो तीन डंक लगे जिनका गांव में ही प्राथमिक उपचार किया गया।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
04 अप्रेल, 2026

## हनुमान जन्मोत्सव पर जागरण, महाआरती में जुटी भीड़

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** शहर में चैत्र सुदी पूर्णिमा के पावन अवसर पर बीहड़ बुंगली बालाजी धाम में हनुमान जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित 15 वें विशाल जागरण में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा मंदिर परिसर भक्ति रस में सराबोर नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य श्रृंगार और अखण्ड ज्योत के साथ हुई। जिसके बाद बालाजी महाराज का दिव्य दरबार सजाया गया। रात्रि 9 बजे से शुरू हुए इस जागरण में महाआरती और पुष्प वर्षा ने माहौल को और भी आध्यात्मिक बना दिया। भजन संध्या में भजन सम्राट संतश्री गुलाबनाथजी महाराज रूकनसर धाम ने अपने मधुर भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वहीं संतश्री कैलाशनाथजी महाराज रूकनसर धाम का पावन सान्निध्य भी भक्तों को प्राप्त हुआ। बीहड़ बुंगली बालाजी भक्त मंडल की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में भक्तों के लिए विशेष भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

## क्षेत्र में अंधड के साथ बरसात, ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** क्षेत्र में शुक्रवार को दोपहर 3 बजे के लगभग अचानक मौसम में हुए बदलाव के बाद तहसील क्षेत्र में तेज अंधड के साथ हुई जमकर बरसात और कुछ स्थानो में ओले गिरने से गेहूं की खड़ी फसलों को नुकसान होने की भी जानकारी मिली है। जानकारी अनुसार बादडिया, कंवलासर में ओले गिरे और विद्युत पोल गिरने की भी जानकारी मिली है। वहीं शहर में भी लगभग जमकर 10 से 15 मिनट हुई से मुख्य बाजार, सब्जी मंडी, बोडिया कुआं, नेता रोड़ पर पानी भर गया। मुणती कुई से घंटाघर तक सड़कों पर पानी भरने से यातायात प्रभावित हो गया। वहीं लोगों की सरसों व अन्य कटी हुई फसलों को भी नुकसान होने की जानकारियां आ रही है। वहीं तहसील कार्यालय में 6 एमएम बरसात रिकॉर्ड की गई हैं।

## बीदासर में श्रीमद् भागवत कथा का पोस्टर विमोचन, 2 से 8 मई तक होगा आयोजन

जयपुर टाइम्स

**बीदासर(निस)।** कस्बे के दड़ीबा क्षेत्र स्थित पानी की टंकी के पास राजा जी चौक में राठी परिवार की ओर से आयोजित होने वाली श्रीमद् भागवत कथा के कार्यक्रम का गुरुवार शाम विधिवत पोस्टर विमोचन किया गया।बआयोजनकर्ता पुसराज राठी ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा का आयोजन 2 मई से 8 मई तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। कथा का वाचन जोधपुर के संत श्री राधा कृष्ण महाराज की ओर से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस अवसर पर माणकचंद राठी, मोहन लाल राठी, निरंजन स्वरूप राठी, निर्मल पारीक, गोपाल प्रजापत, प्रमेश्वर लोहिया, डूंगर मल शर्मा, नथमल भोभारिया, सुशील महाराज, प्रतिम शर्मा, हीरालाल नाई, राजकुमार राठी व मूलचंद मारोठिया सहित कई लोग उपस्थित रहे।

## खटकड़ की बहू ने छत्तीसगढ़ में जीता कांस्य पदक, गांव में स्वागत

जयपुर टाइम्स

**झुंझुनूं(निस)।** केड खटकड़ गांव की बहू ने छत्तीसगढ़ में हुई कुश्ती प्रतियोगिता में 68 किलोग्राम में ऑल इंडिया में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर गांव पहुंचने पर शुक्रवार को हुकमपुरा केड छावडी की ढाणी मे ग्राम वासियों ने शानदार पुष्प माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया। बलकेश मीणा पत्नी विक्रम मीणा के इस उपलब्धि हासिल करने पर गांव की सीमा में डीजे की धुन पर नाचते हुए घर पहुंचे। इस मौके पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, जिला परिषद सदस्य अजय भालोठिया, देवसेना के प्रदेश सचिव धर्मपाल गुर्जर केसरीपुरा, सामाजिक कार्यकर्ता राजवीर कसाना, उमेद सिंह मीणा, मीन सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा, जेपी खटाना किशोरपुरा, लीलाराम भोपा खटाना किशोरपुरा, कोच बजरंगी पहलवान, ससुर कैलाश चंद मीणा, कोच उम्मेद झाझडिया, पूर्व सरपंच विजय खरिटा, पूर्व सरपंच चौथमल कश्यप, सब इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, भंवरलाल मीणा, ताराचंद मीना रहे। युवा नेता सामाजिक कार्यकर्ता राजवीर कसाना ने कहा कि मेरे गांव के लिए आने वाली युवा पीढ़ी के लिए बलकेश का कांस्य पदक जीतना बहन बेटियों को अच्छी प्रेरणादायक रहेगा। सभी लोगों ने बलकेश मीणा उसके परिवार को बधाई दी।

# इटली में रहने वाली खुद कभी कोलकाता से गोद ली गई थी, अब झुंझुनूं के बच्चे को अपनाकर लिखी नई कहानी

जयपुर टाइम्स

**झुंझुनू(निस)।** झुंझुनूं जिले से एक दिल छू लेने वाली खबर सामने आई है, जहां जन्म के बाद छोड़ दिए गए एक विशेष जरूरत (स्पेशल नीड्स) वाले बच्चे को इटली के दंपती ने गोद लेकर उसे नया परिवार और बेहतर भविष्य दिया है। यह कहानी न केवल मानवता की मिसाल है, बल्कि यह भी दिखाती है कि प्यार और अपनापन किसी सीमा का मोहताज नहीं होता। यह बच्चा जन्म के समय ही कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था। उसकी हालत गंभीर थी और शुरुआती दिनों में उसे विशेष चिकित्सा देखभाल की जरूरत पड़ी। ऐसे हालात में उसे अस्पताल और फिर चाइल्ड केयर संस्थान में रखा गया, जहां उसकी लगातार निगरानी और देखभाल की गई। समय के साथ उसकी स्थिति में सुधार हुआ और इसी दौरान उसके जीवन में एक नया मोड़ आया। जब इटली के एक दंपती ने उसे गोद लेने का निर्णय लिया।

### जन्म से संघर्ष, फिर मिला सहारा:

बच्चे को जन्म के तुरंत बाद ही छोड़ दिया गया था। उसकी स्थिति नाजुक थी, इसलिए उसे पहले झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में रखा गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए जयपुर भेजा गया। कुछ समय बाद उसे चाइल्ड केयर होम में स्थानांतरित किया गया, जहां उसे सुरक्षित वातावरण, पोषण और चिकित्सा सुविधाएं मिलीं। यहां उसकी देखभाल ने उसके जीवन को नई दिशा दी।

### इटली से आया प्यार, बना नया रिश्ता:

इटली के फ्लोरेंस शहर से आए दंपती मार्घेरिटा और डेनिएले ने इस बच्चे को अपनाने का फैसला किया। खास बात यह है कि मार्घेरिटा खुद भी कोलकाता से गोद ली गई थीं, इसलिए उन्होंने इस बच्चे की परिस्थितियों को गहराई से समझा। दोनों ने बिना किसी झिझक के इस बच्चे को अपनाया और उसे अपने परिवार का हिस्सा बनाया। इस गोद लेने की प्रक्रिया में करीब 3 से 4 महीने का समय लगा। सेंट्रल अडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी के जरिए सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं। जब दंपती ने पहली बार बच्चे को अपनी गोद में लिया, तो वह पल बेहद भावुक था। दंपती ने कहा कि वे लंबे समय से बच्चे का इंतजार कर रहे थे और अब उनका परिवार पूरा हो गया है।

### उम्मीद और इंसानियत की मिसाल:

यह कहानी सिर्फ एक गोद लेने की नहीं है, बल्कि यह एक नई शुरुआत की कहानी है। यह दिखाती है कि दुनिया में अभी भी संवेदनशीलता और इंसानियत जिंदा है। एक ऐसा बच्चा जिसे जन्म के बाद छोड़ दिया गया था, आज उसे एक ऐसा परिवार मिला है जो उसे प्यार, सुरक्षा और बेहतर भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह घटना समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश भी देती है कि हर बच्चे को एक मौका मिलना चाहिए। चाहे परिस्थितियां कैसी भी क्यों न हों।

## शिक्षक संघ राष्ट्रीय ब्लाक कार्यकारिणी की बैठक में सदस्यता अभियान पर जोर

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** शहर के पीएमश्री गिरधारी लाल शिवनारायण टांटिया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक संघ राष्ट्रीय ब्लाक कार्यकारिणी में खंडस्तरीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन पूर्व जिला अध्यक्ष जगदीश जोशी के नेतृत्व व ब्लॉक अध्यक्ष आशाराम की अध्यक्षता में रखा गया गया। संघ के जिला मंत्री मनोज कुमार गौड़ ने संबोधित करते हुए प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष रमेशचंद्र पुष्करणा के आह्वान को दोहराते हुए कहा कि हमें अधिक से अधिक सदस्यता अभियान में लगकर संगठन को मजबूत करना है। मंत्री मनोज गौड़ ने बताया कि अब शिक्षक संघ राष्ट्रीय अपने नए नाम अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ संघ विदयालयी शिक्षा के रूप में पूरे प्रदेश में कार्य करेगा। जिससे हमें प्रदेश में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के विभिन्न प्रांतों में हुए नवाचारों और शोध का लाभ राजस्थान में भी हमें मिलेगा। पूर्व जिला अध्यक्ष जोशी ने इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया तथा उन्होंने बताया कि शिक्षक संघ राष्ट्रीय है अब अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के नाम से जाना जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष आशाराम ने हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ कार्यक्रम की रूपरेखा को सब कार्यकर्ताओं के समक्ष रखा। मीटिंग में नीलम चौधरी को सर्वसम्मति से महिला मंत्री मनोनीत किया गया। मीटिंग में सुशील गोस्वामी, गंगाराम सुथार, प्रमोद सेवदा, परमानंद स्वामी, छगनलाल शर्मा, रमेश कुमार सैनी, शंकरलाल शर्मा, ताराचंद शर्मा, मनोज कुमार जोशी, बाबूलाल, राकेश, अरुण देराश्री, पूनम महला मौजूद रहे ।

## अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अभ्यास वर्ग का आयोजन

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) उपशाखा, सुजानगढ़ नया नाम अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) का शैक्षिक समस्याओं पर चर्चा एवं उनके समाधान तथा सदस्यता अभियान और अन्य विषयों पर चर्चाओं के लिए संघ का अभ्यास वर्ग राजकीय पीसीबी उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 32 संकुलों के संयोजक और सहसंयोजक उपस्थित रहे। अभ्यास वर्ग को सम्बोधित करते हुए प्रधानाचार्य रामावतार शर्मा ने सदस्यता अभियान, संगठन की रीति, नीति और कार्यशैली से संभागियों का परिचय करवाया। प्रदेश संगठन मंत्री रामेश्वरलाल खीचड़ ने विभिन्न शैक्षिक समस्याओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए उनके समाधान के लिए आने वाले समय में पेश किये जाने वाले ज्ञापन के समय पर संगठन के सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील करते हुए पूर्ण मनोयोग से सदस्यता अभियान की बात कही। अभ्यास वर्ग की अध्यक्षता करते हुए उप शाखा सभाध्यक्ष मदनलाल गुर्जर ने अपनी ओजस्वी वाणी और स्वरचित मुक्तक के माध्यम से उपस्थित संभागियों में नवऊर्जा का संचार किया। प्राचार्य धर्मसिंह मीणा ने विभिन्न पीओ क्षेत्र के अध्यापक अध्यापिकाओं की समस्याओं को लिपिबद्ध करते हुए आगे के ज्ञापनों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर 32 संकुलों से सम्बन्धित संयोजक सहसंयोजक पद का प्रतिनिधित्व कर रहे उपशाखा अध्यक्ष कमल जाखड़, पूनमचन्द सारस्वत, कमल स्वामी, गौतम सिंह तंवर, महिला मंत्री मोनिका झूरिया, प्रकाश कस्वां, सुनील शर्मा, अजय सैनिक, मेहताब सिंह, मनोज छरंग, बजरंगलाल प्रजापत, रामलाल कासौटिया, प्रेमचन्द फलवाड़िया, अनिल लाम्बा, अब्दुल सत्तार पड़िहार, धनराज सिंगोदिया, जीवणदान, बनवारी लाल दाधीच, रामलाल मेघवाल, नरेन्द्र कुमार, ओमपप्रकाश मेघवाल, जयप्रकाश शर्मा, गोवर्धन लाल जान्दू, पूनमचन्द रेगर, सुरेन्द्र कुमार वर्मा, रामलाल कासोटिया, हरिकेश वर्मा, मंगलाराम गुर्जर, हंसराज, नरेश कुमार सहित अनेक शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। संध उप शाखा मंत्री मनोज शर्मा ने अभ्यास वर्ग का संचालन किया।

## मनिंदर स्कूल का शानदार रिजल्ट: विज्ञान में अंशिका 96.20' के साथ अव्वल, आर्ट्स में कामना कंवर टॉपर

### मेधावियों व अभिभावकों का हुआ सम्मान

जयपुर टाइम्स

**झुंझुनूं/चनाना।** चनाना कस्बे स्थित मनिंदर स्कूल ने राजस्थान बोर्ड 12वीं परीक्षा 2026 में एक बार फिर उत्कृष्ट परिणाम देकर क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। विज्ञान एवं कला संकाय दोनों में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल छा गया।

### विज्ञान संकाय में अंशिका कुमारी अव्वल

आरबीएसई 12वीं विज्ञान वर्ग में अंशिका कुमारी ने 96.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं निशा कुमारी और रिद्धि शर्मा ने 95.60-95.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तमन्ना कुमारी (95.40'), दीपिका कुमारी (94.80'), सुनीता कुमारी (94.20'), अंश काजला (94.00'), निखिल जांगिड़ (93.80'), अंशु कुमारी (92.80'), दामिनी कुमारी (92.60'), पवन कुमार (92.60'), निशा कुमारी (92.20'), दीपांशी (91.00'), पूजा कुमारी (90.40'), पायल कुमारी (90.20') एवं नंदनी कुमारी (90.00') ने भी उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए।

### आर्ट्स में कामना कंवर ने मारी बाजी

कला संकाय में कामना कंवर ने 94.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। हिना कंवर (93.80'), अनु कुमारी (93.00'), नीतीश कुमार (93.00'), दिव्या कुमारी (92.40'), अंशु कुमारी (92.40') और भावना कुमारी (91.40') ने भी शानदार प्रदर्शन किया।

### मेधावियों और अभिभावकों का सम्मान

विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में टॉपर्स विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों एवं स्टाफ ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर गर्व जताया। विद्यालय के निदेशक कुलदीप सिंह धिवा ने सभी सफल छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षक-स्टाफ को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित वातावरण और विद्यार्थियों पर व्यक्तिगत ध्यान ही इस निरंतर सफलता का आधार है।

## बाजीसर में जागरण व भण्डारा आयोजित

जयपुर टाइम्स

**मण्डावा(निस)।** गांव बाजीसर में हर साल की भांति इस पूर्णिमा पर बालाजी महाराज मंदिर में भंडारे व जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रामगोपाल अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, मुकेश मोदी, विवेक अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, समस्त त्रिमूर्ति बालाजी परिवार की ओर से यह भंडारा का कार्यक्रम 1 साल में दो बार किया जाता है। इस दौरान मंदिर पुजारी पवन शर्मा, केबीसी विजेता सचिन अग्रवाल, समाजसेवी अमित मीणा, विक्रम नायक, हरफूल जांगिड़, संजीव कुमार, जगमाल बुडानिया सहित बड़ी संख्या में भक्त लोग मौजूद रहे।

## प्रत्येक गांव के बारिश आंकड़े जारी करने की मांग

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** भारतीय किसान संघ के तहसील अध्यक्ष पृथ्वी सिंह शेखावत ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर प्रत्येक गांव के बारिश के आंकड़े जारी करने की मांग की है। ज्ञापन में शेखावत ने बताया है कि 19 और 23 मार्च को सुजानगढ़ क्षेत्र के खेतों में फसलों को काफी ज्यादा नुकसान हुआ है। लेकिन बीमा कंपनी की ओर से बारिश के आंकड़े रिजेक्ट किए गए हैं, जबकि कलेक्टर के साथ हुई बैठक में प्रत्येक गांव के बारिश के आंकड़े मंगवाने के आदेश दिए गए थे। इसलिए प्रत्येक गांव और पटवार स्तर पर बारिश के आंकड़े मंगवाने की मांग की गई है।

## डॉ. हैनिमैन जयंती 10 को

**चूरू(निस)।** शेखावाटी होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन सीकर, झुंझुनूं व चूरू जिलों के संयुक्त होम्योपैथ्स का संगठन के तत्वावधान में चूरू के श्रद्धा होम्यो एण्ड योगा सेंटर में विश्व होम्योपैथी दिवस व होम्योपैथी के जनक डॉ. हैनिमैन की 271 वीं जयंती एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अमर सिंह शेखावत की अध्यक्षता में शुक्रवार 10 अप्रैल को दोपहर 1.30 बजे समारोह पूर्वक मनाई जाएगी। सचिव डॉ. बी.के शर्मा ने बताया कि शेखावाटी के तीनों जिलों के अनेक होम्योपैथ्स इस समारोह में भाग लेंगे और होम्योपैथी चिकित्सा, शिक्षा व रिसर्च तथा इसके प्रचार-प्रसार एवं विकास पर गहन मंथन करेंगे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ बी.एल. गौड़ के नेतृत्व में समारोह की तैयारियां चल रही हैं। इस अवसर पर अन्य चिकित्सकों के अतिरिक्त आमजन उपस्थित होकर होम्योपैथी के जन्मदाता डॉ. हैनिमैन को श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे।

## आर्डिनरी कैप्टन शिशपाल सिंह का ग्रामीणों ने किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** भारतीय सेना की आर्टिलरी रेजीमेंट के 626 बैटरी तोपखाना में तैनात आर्डिनरी कैप्टन शिशपाल सिंह अपनी 30 वर्षों की गौरवमयी एवं समर्पित सेवा को पूर्ण करते हुए सेवानिवृत्ति हुए हैं। इस अवसर पर गांव के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया।जब वे गांव पहुंचे, तो सबसे पहले उन्होंने वीरगति प्राप्त राजेंद्र सिंह राठौड की मूर्ति के सामने जाकर उनको विनम्र नमन किया। उसके बाद ग्रामीणों ने उन्हें फूलों की बारिश, बैंड-बाजे और पारंपरिक राजस्थानी रीति-रिवाजों से स्वागत किया। इस अवसर पर पायल कंवर, करनी सिंह राठौर, नायब सूबेदार विक्रम सिंह, युवा छात्र नेता विकास बिजारणियां, ओमप्रकाश शर्मा, सूबेदार सुल्तान सिंह राठौर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। सभी ने कैप्टन शिशपाल सिंह के देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा एवं अनुशासन को सलाम करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों ने कहा कि उनकी 30 वर्षों की निष्कलंक सेवा पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

## मधुमक्खियों के हमले में दस लोग घायल

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** कस्बे के निकटवर्ती लोढ़सर गांव में खेतों में काम करते समय मजदूरों पर मधुमक्खियों के झुण्ड ने हमला कर 10 लोगो क़ो काट लिया। जिनमें से दरिया सिंह, बजावा झुंझुनू, ईश्वर सिंह, लोढ़सर, राजूनाथ रोडू, हेमराज, अनंतपुरा कुचामन क़ो ग्रामीणों ओर टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार ने सुजानगढ़ अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती करा कर इलाज शुरू कराया। डॉ रघुवीर तूनवाल, ओमप्रकाश, सुशीला, ममता स्वामी आदि ने इलाज किया। सभी को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी। बाक़ी 6 लोगो के दो तीन डंक लगे जिनका गांव में ही प्राथमिक उपचार किया गया।

## भूपेंद्र भारद्वाज धौलपुर जिले के संगठन सहप्रभारी नियुक्त

जयपुर टाइम्स

**धौलपुर(निस)।** राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी जिलों में प्रभारी एवं सह-प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। इसी क्रम में करौली निवासी वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेंद्र भारद्वाज को धौलपुर जिले का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। भूपेंद्र भारद्वाज को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर धौलपुर जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। कांग्रेसजनों ने प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारद्वाज के लंबे राजनीतिक अनुभव और संगठनात्मक क्षमता का लाभ धौलपुर जिले में कांग्रेस संगठन को निश्चित रूप से मिलेगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में नई ऊर्जा मिलेगी।

## अवैध गैस भंडारण पर सख्त कार्रवाई, कई स्थानों से सिलेंडर जब्त

जयपुर टाइम्स

**धौलपुर(निस)।** जिले में पेट्रोल-डीजल एवं एलपीजी की सुचारू आपूर्ति बनाए रखने तथा अवैध संग्रहण और कालाबाजारी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी के निर्देशानुसार गठित विशेष प्रवर्तन जांच दल ने गुरुवार को सघन कार्रवाई करते हुए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान बसईनवाब स्थित बजरंग मिष्ठान भंडार से 1, कौलरी क्षेत्र से 6, श्याम बाबा मिष्ठान भंडार से 3 तथा ओम जय लटीला बाबा मिष्ठान भंडार से 3 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। इसके अतिरिक्त 2 पेट्रोल पम्पों का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जांच की गई। जिला रसद अधिकारी मणि खींची ने बताया कि जिले में आम उपभोक्ताओं को बुकिंग के आधार पर गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुचारू रूप से जारी है। गैस एजेंसियों के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने आमजन से अपील की कि भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें और समय पर गैस बुकिंग कराएं, जिससे निर्धारित समय पर होम डिलीवरी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में पेट्रोल-डीजल की निर्बाध आपूर्ति जारी है और सभी पेट्रोल पम्पों पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। आमजन से अनावश्यक रूप से पेट्रोलियम पदार्थों का संग्रहण/भंडारण नहीं करने की अपील की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी व्यक्ति या फर्म द्वारा पेट्रोल-डीजल अथवा गैस का अवैध भंडारण, संग्रहण, क्रय-विक्रय, कालाबाजारी या दुरुपयोग किए जाने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 एवं मोटर स्प्रिट एवं उच्च वेग डीजल आदेश 2005 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

## पहचान को तरसता रहा शव, सिस्टम खामोश... अंत में समाजसेवियों ने निभाया 'इंसानियत का कर्ज'!

जयपुर टाइम्स

**सुमेरपुर/ सांडेराव।** एक ओर सिस्टम पहचान कराने में जुटा रहा, दूसरी ओर एक युवक का शव चार दिनों तक मोर्चरी में अपने अपनों का इंतजार करता रहा। लेकिन जब कोई नहीं आया, तो आखिरकार समाजसेवियों ने आगे बढ़कर इंसानियत का ऐसा फर्ज निभाया, जिसने हर किसी को झकझोर दिया। एनएच-62 पर सड़क हादसे में मारे गए 30-35 वर्षीय युवक का शव पिछले चार दिनों से सांडेराव सीएचसी की मोर्चरी में रखा गया था। पुलिस ने शिनाख्त के लिए फोटो सोशल मीडिया और आसपास के जिलों में प्रसारित किए, लेकिन हर प्रयास बेनतीजा साबित हुआ। 72 घंटे की कानूनी अवधि पूरी होने के बाद युवक को लावारिस घोषित करना पड़ा। इसके बाद जो हुआ, उसने मानवता की मिसाल कायम कर दी। मारवाड़ गोडवाड़ जन कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष जयदेव सिंह राणावत और समाजसेवी जगदीश कुमावत ने आगे आकर अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी उठाई। समाजसेवियों की मौजूदगी में पूरे विधि-विधान के साथ अज्ञात युवक को मुखाग्नि दी गई और ससम्मान अंतिम विदाई दी गई। यह दृश्य हर किसी की आंखें नम कर गया।

### पुलिस ने भी निभाई जिम्मेदारी:

अंतिम संस्कार से पहले मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर पुलिस ने मृतक के डीएनए सैंपल, फिंगरप्रिंट और फोटो रिकॉर्ड सुरक्षित रख लिए हैं, ताकि भविष्य में पहचान होने की स्थिति में साक्ष्य उपलब्ध रह सकें।

### हादसा बना रहस्य:

बताया जा रहा है कि 3-4 दिन पहले एनएच-62 पर पैदल जा रहे इस युवक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। मृतक ने सफेद-काली धारीदार शर्ट और हल्के काले रंग की जींस पहन रखी थी। यह घटना सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि समाज और सिस्टम दोनों के सामने बड़ा सवाल है–क्या एक इंसान की पहचान इतनी आसान से खो जाती है? लेकिन अंत में, सांडेराव की मिट्टी ने यह साबित कर दिया कि यहां इंसानियत अभी जिंदा है।

## जाजोद में श्री भोमियाजी महाराज का मेला आज

जयपुर टाइम्स

**जाजोद(निस)।** ग्राम पंचायत जाजोद के लाखोला जोहड़े में स्थित श्री भोमियाजी महाराज का विशाल मेला शनिवार को भरेगा। यह आयोजन ग्राम पंचायत जाजोद के समस्त ग्राम जनता के सहयोग से किया जा रहा है। मंदिर पुजारी महेंद्र बुरड़क ने बताया कि रात्रि में जागरण का आयोजन हुआ। जिसमें सुप्रसिद्ध गायक कलाकार राजेश चौधरी, कंचन सैन, सुपर डांसर रिया राठी (दिल्ली), तब्बु तोरावाटी और कॉमेडियन राकेश छैला (जयपुर) श्याम म्यूजिक कंपनी व राजेश चौधरी एंड पार्टी के साथ भजनों की प्रस्तुतियां दी गयी।

# आज के समय में सोशल मीडिया पर मूल्यों के विपरीत अभिव्यक्तियां न्याय व्यवस्था के लिए बन रही चुनौतीः राठी

## जालोर में 'वैल्यू बेस्ड जस्टिस - द सोल ऑफ लॉ' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

जयपुर टाइम्स

**जालोर(निस)।** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन जूरिस्ट विंग व बार एसोसिएशन जालोर के संयुक्त तत्वाधान में 'वैल्यू बेस्ड जस्टिस - द सोल ऑफ लॉ' विषय पर एक प्रेरणादायक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। जालोर सेवा केंद्र प्रभारी राज योगी ने ब्रह्माकुमारी रंजू बहन ने कार्यक्रम में पधारे सभी मेहमानों का शब्दों के माध्यम से स्वागत किया और कार्यक्रम में पधारे सभी अधिवक्ता एवं अतिथिगण को राजयोग की जानकारी लेने के लिए केंद्र पर आने का निमंत्रण दिया। मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय मध्य प्रदेश के न्यायाधीश व जूरिस्ट विंग आरईआरएफ के वाइस चेयरपर्सन भगवानदास राठी ने कहा कि आज के समय में सोशल मीडिया पर मूल्यों के विपरीत अभिव्यक्तियां न्याय व्यवस्था के लिए चुनौती बनती जा रही हैं। उन्होंने बताया कि न्याय केवल कानून, साक्ष्य और दस्तावेजों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और परिवार में भी न्याय-अन्याय का संतुलन आवश्यक है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे टैंक में जैसा पानी होगा, वैसा ही नल में आएगा, उसी प्रकार मूल्यहीन व्यक्ति का कार्य भी वैसा ही होगा। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज के लक्ष्य–पवित्रता व सकारात्मक एकाग्रता–पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मेडिटेशन से मन को शक्तिशाली बनाया जा सकता है। जिला व फैमिली कोर्ट जालोर के न्यायाधीश अमर वर्मा ने कहा कि राजयोग आध्यात्मिक उत्कृष्टता प्रदान करता है, जिससे तनाव का स्तर कम होता है और व्यक्ति अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा सकता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में अपने विचारों को बदल सकता है। नेशनल कोऑर्डिनेटर जूरिस्ट विंग आबूराज, डॉ. नथमल ने कहा कि न्यायपालिका पर समाज की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि आज समाज में बढ़ते मनोविकार, विशेषकर क्रोध, अपराधों का कारण बन रहे हैं। ऐसे में अधिवक्ताओं को आगे आकर लोगों में आंतरिक शक्तियों को जागृत करना होगा। बी.के. लता आर. अग्रवाल, नेशनल कोऑर्डिनेटर जूरिस्ट विंग आबूराज ने कहा कि जीवन रूपी नाटक में यदि 'हीरो पार्ट' निभाना है तो स्वयं को संस्कारों और मूल्यों से सजाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि परमात्मा ने इस सृष्टि रूपी नाटक की रचना की है, जिसमें प्रत्येक आत्मा एक भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि एक दिन में लगभग 40,000 विचार चलते हैं और अधिक सोचने से तनाव बढ़ता है, इसलिए 'लॉ के साथ-साथ लव भावना फॉर जस्टिस' का होना आवश्यक है। जिला उपभोक्ता कोर्ट जालोर के अध्यक्ष घनश्याम यादव ने कहा कि न्याय व्यवस्था में मूल्यों का समावेश अत्यंत आवश्यक है, जिससे समाज में संतुलन और शांति स्थापित हो सके। बार एसोसिएशन जालौर के अध्यक्ष खसाराम परिहार ने भी अपने उद्बोधन में शुभ प्रेरणाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में रिटायर्ड सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर, पीएचईडी जालौर भंवरलाल सुथार ने सभी का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन बीके अस्मिता दीदी, राजयोग शिक्षिका पचपदरा ने किया। कार्यक्रम में बीके मीनाक्षी (सिणधरी), बीके पवनी (सायला), बीके रिंकू (पोकरण), बीके शिल्पा, बीके ज्योति (चांदराई), लक्ष्मी नारायण, डॉ. पुंसल, बीके ललित, उम्मेद सिंह चरण, विक्रम प्रकाश, बीके सुरेश, विद्या, रवि, बीके जसवीर सहित अनेक अधिवक्ता व नागरिक उपस्थित रहे।

## उर्स में कव्वाली पर झूम उठे जायरीन

जयपुर टाइम्स

**जालोर(निस)।** शहर के किला शरीफ स्थित हजरत शहीद ख्वाजा मीरा मलिक शाह दातार रहमतुल्ला अल्लेह दरगाह में शव्वाल हिजरी,1447 बरोज गुरुवार को उर्स मुबारक बड़े ही शान- ओ-शौकत के साथ मनाया गया। इस मौके पर बाद नमाजे असर निशान व चादर की रस्म अदा की गई। वहीं बाद नमाजे ईशा महफिलें मिलाद शरीफ का नूरानी आयोजन हुआ। जिसमें शहर के तमाम उलेमाओं ने शिरकत कर हुजूर की शान में नाते रसूल व उनके अच्छे अखलाक के बारे में बता कर मज़मे में नूर भर दिया। इसके पश्चात सूफियाना रंग में रंगी महफिलें क़व्वाली में हिंदुस्तान के मशहूर फनकार कव्वाल नुसरत कादरी कपासन ने बेहतरी कौमी एकता पर कलामात पेश कर उपस्थित जायरीनों को झूमने पर मजबूर कर दिया। साथ ही आस्ताना पगड़ीबंध कव्वाल इरफान तुफैल एण्ड पार्टी जोधपुर ने खूबसूरत अंदाज में सूफियाना कलाम पेश कर शमा बांधा। उर्स में जिले व उसके आसपास के जायरीनों ने बड़ी तादाद में शिरकत की। दरगाह कमेटी की ओर से उर्स में आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए लंगर की माकूल व्यवस्था की। दरगाह के अध्यक्ष आसिफ खोखर एवं इंतजामिया कमेटी ने उर्स में आने वाले सभी अकीदतमंदों का खैरमकदम किया। यह उर्स न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है बल्कि आपसी भाईचारे,प्रेम, सोहार्द व कौमी एकता का प्रतीक बनकर हर वर्ष उर्स मुबारक पर समाज को भाईचारे के साथ जोड़ने की मिशाल पेश कर कार्य करता है। इस मौके पर दरगाह कमेटी अध्यक्ष आसिफ खोखर, नवाब खान सिलावट, मुजावर हुसैन कुरेश, शाकिर अली सैयद, मुस्ताक मेहर माजिद मलिक, जावेद मेवाती, वाजिद अली, अशफाक खान, आदम नाहिद अली, इमरान अली, मोहसिन खान, कलीम नागोरी जालौर के कई मौजूद लोग उपस्थित रहे।

## NH-123 पर पुलिस की सख्ती से घबराए बजरी माफियाः हाईवे पर बजरी खाली कर फरार, कई किलोमीटर तक चला पीछा

जयपुर टाइम्स

**धौलपुर/सैंपऊ(निस)।** जिले में अवैध बजरी खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए गुरुवार मध्यरात्रि को बड़ी कार्रवाई की। ह्॥-123 पर सैंपऊ थाना पुलिस की नाकाबंदी के दौरान बजरी माफियाओं में हड़कंप मच गया। पुलिस के दबाव के चलते आधा दर्जन से अधिक वाहन चालक हाईवे पर ही बजरी खाली कर मौके से फरार हो गए।

डीएसपी अनूप यादव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिबंधित चंबल बजरी के अवैध परिवहन को रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर सैंपऊ थाना पुलिस और स्पेशल टीम ने हाईवे पर नाकाबंदी कर कार्रवाई की।

उन्होंने बताया कि जैसे ही बजरी माफियाओं को पुलिस कार्रवाई की भनक लगी, वे घबरा गए और गिरफ्तारी से बचने के लिए बजरी से भरे वाहनों को हाईवे पर ही खाली कर अलग-अलग दिशाओं में भाग निकले। इस दौरान पुलिस ने माफियाओं का कई किलोमीटर तक पीछा भी किया, लेकिन आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

कार्रवाई में प्रशिक्षु आईपीएस राहुल कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम तैनात थी, जिसने मुस्तैदी दिखाते हुए माफियाओं पर दबाव बनाया। पुलिस और माफियाओं के बीच हाईवे पर चले पीछा करने के वीडियो भी सामने आए हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

पुलिस अब फरार आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर दबिश दी जा रही है। डीएसपी अनूप यादव ने स्पष्ट कहा कि अवैध बजरी कारोबार में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और सभी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

### धौलपुर-बाड़ी में शिक्षक संघ की सक्रियता बढ़ी:

## प्रांतीय सलाहकार विजय शर्मा ने संगठन मजबूती व सदस्यता अभियान पर दिया जोर

जयपुर टाइम्स

**धौलपुर(निस)।** राजस्थान पंचायती राज व माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय सलाहकार विजय कुमार शर्मा दो दिवसीय संगठनात्मक दौरे पर धौलपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने धौलपुर और बाड़ी में जिला व ब्लॉक कार्यकारिणी की बैठकों को संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत बनाने और नए शैक्षिक सत्र में व्यापक सदस्यता अभियान चलाने के निर्देश दिए। बाड़ी में आयोजित बैठक के दौरान शिक्षक सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विजय कुमार शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के पूर्व प्रदेश महामंत्री एवं अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार कौशिक, संघ के जिलाध्यक्ष हरीसिंह गुर्जर तथा पूर्व प्रदेश मंत्री हरीसिंह बाड़ी उपस्थित रहे। प्रांतीय एवं जिला पदाधिकारियों के बाड़ी आगमन पर स्थानीय पदाधिकारियों–पूर्व प्रदेश मंत्री हरी सिंह गुर्जर, उपाध्यक्ष वीरो कुमार गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष राजवीर परमार, दुर्गा सिंह, मनीष शर्मा एवं मनोज मीणा–ने माल्यार्पण व साफा बांधकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर प्रांतीय सलाहकार विजय कुमार शर्मा एवं महेंद्र कुमार शर्मा ने संघ के पूर्व प्रदेश मंत्री एवं शिक्षाविद हरीसिंह बाड़ी तथा जिलाध्यक्ष हरीसिंह गुर्जर के राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने पर साफा पहनाकर एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेश शर्मा ने कहा कि शिक्षक संघ के पदाधिकारी वर्षभर शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्षरत रहते हैं। ऐसे में समय-समय पर उनका सम्मान किया जाना आवश्यक है, जिससे उनका मनोबल बढ़ता है और उन्हें नई ऊर्जा मिलती है। बैठक में स्थानीय पदाधिकारियों ने प्रांतीय नेतृत्व के समक्ष विभिन्न मांगें रखीं, जिनमें शिक्षा विभाग में तबादलों से प्रतिबंध हटाने, तृतीय श्रेणी सहित सभी संवर्ग के स्थानांतरण शुरू करने, सरकारी स्कूलों में रिक्त पदों को शीघ्र भरने, शिविरा पंचांग में अवकाश कटौती का विरोध, प्रधानाध्यापक घोषित अवकाश पुनः दो दिन करने तथा ग्रीष्म व शीतकालीन अवकाश में की गई कटौती वापस लेने की मांग प्रमुख रही। साथ ही 21 जून से विद्यालय खोलने के एवज में शिक्षकों को पीएल (प्रिविलेज लीव) का लाभ देने की मांग भी उठाई गई। इस मौके पर रामदत्त गुर्जर, गजेंद्र शर्मा, मनोज कुमार मीणा, उत्तम सिंह, दुर्गा सिंह गुर्जर, बृजेश शर्मा, प्रदीप सिंह, कुलदीप शर्मा, भानु प्रताप परमार, मनोज झा, गिरीश बंसल, रईस फारूकी, सोनू गालव, कमरुद्दीन, रजनीकांत शर्मा, अमीन खान सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

## राजाखेड़ा में मानवता की मिसालः बेहोश लावारिस युवक को ऑटो में अस्पताल पहुंचाकर बचाई जान

जयपुर टाइम्स

**धौलपुर/राजाखेड़ा(निस)।** कस्बे में गुरुवार को इंसानियत की एक प्रेरणादायक मिसाल सामने आई, जहां एक अनजान बेहोश युवक की समय रहते मदद कर उसकी जान बचाने का सराहनीय प्रयास किया गया। घटना राजाखेड़ा चुंगी स्थित बछेकी हनुमान मंदिर के पास की है। जानकारी के अनुसार, करीब 40 वर्षीय एक अज्ञात युवक मंदिर के पास अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। उसकी हालत गंभीर थी और मुंह से झाग निकल रहा था। उस समय मंदिर परिसर में निवासी सिंघाबली खुर्द के ठाकुर रामनाथ सिंह की ओर नगर अखंड रामायण का आयोजन चल रहा था। उनकी नजर जैसे ही उस युवक पर पड़ी, उन्होंने बिना देर किए तुरंत मदद के लिए पहल की। उन्होंने वहां मौजूद एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर बेहोश युवक को सड़क से गुजर रहे ऑटो रिक्शा में बैठाया और सीधे राजाखेड़ा अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं होने पर ऑटो को ही अंदर तक ले जाकर युवक को बेड पर लिटाया गया, जिससे समय की बचत हुई और तुरंत उपचार शुरू किया जा सका। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. नरेंद्र मुदगल ने तत्काल प्राथमिक उपचार शुरू किया। युवक को होश नहीं आने पर पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद राजाखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। स्थिति गंभीर होने के चलते डॉक्टरों ने 108 एंबुलेंस के माध्यम से युवक को जिला अस्पताल धौलपुर रेफर कर दिया, जहां उसका आगे उपचार जारी है। इस पूरी घटना में स्थानीय लोगों की तत्परता और संवेदनशीलता ने यह साबित कर दिया कि मानवता आज भी जिंदा है। समय पर मदद मिलने से एक अनजान व्यक्ति को नई जिंदगी देने का प्रयास क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

## पुलिस पर पथराव कर राजकार्य में बाधा डालने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार, 3 महिलाएं भी शामिल

जयपुर टाइम्स

**धौलपुर/बाड़ी(निस)।** राजकार्य में बाधा उत्पन्न करने और पुलिस पर पथराव करने के गंभीर मामले में बाड़ी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन महिलाओं सहित कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय इनपुट के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एडीएफ बाड़ी) डॉ. कमल कुमार एवं वृताधिकारी महेन्द्र मीणा के सुपरविजन में थानाधिकारी देवेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों में महिला आरोपी रेखा, सीमा, बबीता तथा पुरुष आरोपी मुकेश कुमार, अजय सिंह, संजय और किरोड़ी लाल शामिल हैं। घटना 1 अप्रैल 2026 की है, जब पुलिस को सूचना मिली कि बाड़ी क्षेत्र के कायस्थ पाड़ा पुलिया के पास निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों में विवाद चल रहा है। सूचना पर थानाधिकारी देवेन्द्र शर्मा मय जाप्ता मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। समझाइश के बाद आरोपी पक्ष के लोग अपने मकानों की छतों पर चढ़ गए और जैसे ही दूसरे पक्ष ने निर्माण कार्य शुरू किया, उन्होंने पुलिस टीम और अन्य लोगों पर पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान पुलिस जाप्ता सहित दो अन्य व्यक्तियों को चोटें आईं। पत्थरबाजी के कारण बाड़ी-धौलपुर मार्ग करीब 5 मिनट तक बाधित रहा, जिसे बाद में सुचारू कराया गया।

### तीन टीमों ने दबिश देकर पकड़े आरोपी

घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन विशेष टीमें गठित की गईं। पुलिस टीमों ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए महिला आरोपी रेखा, सीमा और बबीता को धौलपुर के गुलाब बाग क्षेत्र से गिरफ्तार किया। वहीं मुकेश कुमार, अजय सिंह, संजय और किरोड़ी लाल को बसई डांग क्षेत्र के जंगल से दबोचा गया।

## गौतम ऋषि महादेव वार्षिक मेला 14 अप्रैल को, तीन दिवसीय आयोजन में उमड़ेगी आस्था

**सिरोही/सुमेरपुर।** क्षेत्र के प्रसिद्ध तीर्थ श्री गौतम ऋषि महादेव मंदिर में आयोजित होने वाला वार्षिक मेला महोत्सव इस वर्ष 13 से 15 अप्रैल 2026 तक भव्य रूप से आयोजित होगा। आयोजन समिति के अनुसार 14 अप्रैल को मुख्य मेला रहेगा, जिसमें जालौर, सिरोही और पाली सहित विभिन्न जिलों से मीणा समाज के हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। महोत्सव की शुरुआत 13 अप्रैल को कलश यात्रा और धार्मिक अनुष्ठानों से होगी। 14 अप्रैल को विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं 15 अप्रैल को महाप्रसादी के साथ मेले का समापन होगा। आयोजन समिति द्वारा पेयजल, भोजन, सुरक्षा और पार्किंग सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं का भी प्रतीक माना जाता है।

## प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष खान बने चूरू जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी

**चूरू(निस)।** ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश में कांग्रेस कमेटी जिला प्रभारी बनाए। चूरू जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि ,राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष और विधायक हाकम अली खान को चूरू जिला कांग्रेस का प्रभारी बनाए जाने पर प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा का आभार व्यक्त करते हुए चूरू जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज मेघवाल ने हाकम अली खान को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा हमे पूर्ण विश्वास है कि आपके सानिध्य में चूरू जिले की कांग्रेस और मजबूत होकर कार्य करेगी

## नाम परिवर्तन

मैनें मेरा नाम मन सुख राम से बदलकर मनसुखा राम रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे। मनसुखा राम (MANSUKHA RAM ) पुत्र उमानाराम (UMANA RAM), ग्राम चरला, तहसील सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

**Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.,JAIPUR.**

No. NIT / 2025-26/ 172 - 80 Date: 02.04.2026

**अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 796/2025-26**

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र / राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है:

| कार्य का विवरण | कार्य की अनुमानित लागत (रु0 ) |
|---|---|
| Construction of Internal Road and External Development works at Mini Secretariat, Sri Ganganagar. UBN- RRC 2526 WLOB 01347 | 1102.00 Lakh |

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईटः http// eproc. rajasthan. gov.in, http//sppp.rajasthan.nic.in तथा http// pwd. rajasthan. gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है । इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट httpÑ//eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

**महाप्रबंधक**

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
04 अप्रेल, 2026

## मन्दिर के वार्षिकोत्सव पर निकाली शोभायात्रा, विधायक सहारण ने यात्रा को किया रवाना

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** लॉ कॉलेज के पास स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस धुमधाम से मनाया गया। संजय रक्षक ने बताया कि गुरूवार रात्रि को हवन व भव्य आरती की गई। शुक्रवार को मन्दिर से शोभायात्रा निकाली गई शोभायात्रा को विधायक हरलाल सहारण ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले अतिथियों का दुपट्टा व साफा पहनाकर अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर राधा कृष्ण की मनमोहक झांकी सजाई गई। डीजे के साथ शोभायात्रा मंदिर से रवाना होकर नेचर पार्क स्थित गणेश मंदिर, नयाबास होते हुए नई सड़क पर वापस श्री राधा कृष्ण मंदिर में पंहुचीं। शोभायात्रा में महिलाओं ने डीजे के भजनों पर जमकर नृत्य किया। इस अवसर पर मोहन गढ़वाल, श्यामलाल रक्षक, मनोज शर्मा, गोपाल, राजेश रक्षक, राजेंद्र रक्षक, बसंत रक्षक, पंडित विनोद शर्मा, अनिल पाठक, शंकरलाल, ओम खेमका, अमित शर्मा सहित अनेक महिलाएं व पुरूष उपस्थित रहे। महिलाओं ने यात्रा में भजन किर्तन किए।

## एसपी ने किया पुलिस थानों का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** चूरू जिला पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम ने शुक्रवार को सुजानगढ़ कोतवाली और सदर थाने का निरीक्षण किया। एसपी ने कोतवाली, सदर थाने में पहुंचकर पुलिस के जवानों से बात कर उनसे समस्याएं पूछी। एसपी निश्चय प्रसाद ने इंग्लिश में सिपाही की नेम प्लेट देखकर कहा कि नेम प्लेट हिंदी में ही ठीक रहती है। साथ ही उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा फील्ड में पुलिस को रहना चाहिए, जिससे अपराध पर अंकुश लगे। उन्होंने कहा को स्कूल भवन में चल रहे कोतवाली थाने के भवन को लेकर प्रस्ताव भेजा जाएगा। एसपी ने कहा कि नशे के खिलाफ लगातार कार्यवाही जारी रहेगी। इस मौके पर सुजानगढ़ एएसपी दिनेश कुमार, वृताधिकारी दरजाराम, सीआई पुष्पेंद्र झाझडिया ने क्षेत्र की जानकारी एसपी को दी। एसपी को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

## प्रदेश मंत्री बनने पर जयश्री दाधीच का भव्य स्वागत

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** भाजपा नेता व नगरपरिषद की नेता प्रतिपक्ष रही जयश्री दाधीच के भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री बनने के बाद सुजानगढ पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत करते हुए जुलूस निकाला। जुलूस सालासर रोड़ से शुरू हुआ और गाड़ियों के काफिले के साथ शहर में पहुंचा। रास्ते में जगह-जगह भाजपा नेताओ और कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर और पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। जुलूस कृषि मंडी, भोजलाई चौराहा, बीडीएस तिराहा, स्टेशन रोड आदि स्थानों से होते हुए निकला। राठी हॉस्पीटल के बाहर अनिल शर्मा व अन्य लोगों ने जयश्री दाधीच, कमल दाधीच का स्वागत किया। वहीं अवास तक पहुंचने के बाद सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, मनभरीदेवी मेघवाल, धर्मवीर पुजारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष विनय माटोलिया, रिछपाल बिजारणिया आदि ने वक्तव्य के जरिये स्वागत किया। कार्यक्रम में दीनदयाल पारीक, पुरुषोत्तम शर्मा, संपत पथानिया, पंकज घासोलिया, गौरव इंदौरिया, हंसराज सोनी, बुद्धिप्रकाश सोनी, शिवभगवान चौहान, अनिल शर्मा, विशाल बाजिया सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं व लोगों ने जयश्री दाधीच का माला व साफा पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री जयश्री दाधीच ने मुख्यमंत्री, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, महिला मतोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आदि का धन्यवाद जाहिर करते हुए कहा कि जिस प्रकार से आलाकमान ने आम कार्यकर्ता की मेहनत को आधार मानकर मुझे ये नई जिम्मेदारी दी है, मैं उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता का मान सम्मान रखते हुए उसे साथ लेकर चलने का काम किया जायेगा और पार्टी की रीति-नीति को जन जन तक पहुंचाकर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा और संगठन को भी मजबूत किया जाएगा।

### हर घर तक पीएनजी पहुंचाने की दिशा में जयपुर प्रशासन की बड़ी पहल

# सार्थक और सुखद कवायद : कलेक्टर संदेश नायक की दूरदर्शी रणनीति से उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कास)।** स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जयपुर जिला प्रशासन ने पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन के विस्तार को लेकर निर्णायक कदम उठाए हैं। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में जिला कलेक्टर संदेश नायक ने अधिकारियों और गैस कंपनियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश देते हुए पीएनजी को जन-जन तक पहुंचाने का रोडमैप तैयार कराया। बैठक में कलेक्टर संदेश नायक ने राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप एलपीजी पर निर्भरता को चरणबद्ध रूप से कम कर अधिक सुरक्षित, किफायती और सतत ऊर्जा स्रोत पीएनजी को आमजन तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि वे पीएनजी के फायदों–जैसे 24 घंटे निर्बाध आपूर्ति, उच्च सुरक्षा मानक और लागत में बचत–के बारे में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस सुविधा से जुड़ सकें। कलेक्टर ने प्रशासनिक दक्षता का परिचय देते हुए यह भी स्पष्ट किया कि जिन उपभोक्ताओं के पास एलपीजी और पीएनजी दोनों कनेक्शन हैं, वे आगामी तीन माह के भीतर एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करें, जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो सके और पीएनजी व्यवस्था को मजबूती मिले। उन्होंने पीएनजी कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और त्वरित बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि आमजन को किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। साथ ही, जिन क्षेत्रों में गैस पाइपलाइन का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए गए। लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के लिए भी कलेक्टर ने समयबद्ध कार्ययोजना बनाने पर जोर दिया, ताकि इच्छुक उपभोक्ताओं को बिना देरी सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। शहरी क्षेत्रों में पीएनजी विस्तार को गति देने के लिए उन्होंने फ्लैट्स, अपार्टमेंट्स और मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग्स की रेजिडेंशियल वेलफेयर सोसाइटी से सामूहिक रूप से कनेक्शन लेने की अपील की। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (जयपुर शहर दक्षिण) युगांतर शर्मा, उपखंड अधिकारी (जयपुर शहर) राजेश जाखड़, उपखंड अधिकारी (सांगानेर) विकास प्रजापत सहित गैस कंपनियों के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जिला कलेक्टर संदेश नायक के नेतृत्व में उठाए गए इन ठोस कदमों से न केवल जयपुर में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि आम उपभोक्ताओं को सुरक्षित, सस्ती और सुविधाजनक गैस आपूर्ति का लाभ भी मिलेगा। प्रशासन की यह पहल शहर को आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल ऊर्जा व्यवस्था की ओर तेजी से अग्रसर करने वाली साबित होगी।

# शिक्षा के साथ- साथ संस्कार भी बेहद जरूरी : हरलाल सहारण

## विधायक हरलाल सहारण ने किया एपीएस एकेडमी प्ले स्कूल का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** जिला मुख्यालय पर अग्रसेन नगर में शुक्रवार को अंग्रेजी माध्यम शिक्षण संस्था एपीएस एकेडमी का भव्य उद्घाटन विधायक हरलाल सहारण ने फीता काटकर व नन्हीं बालिका को तिलक लगाकर किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक सहारण ने वर्तमान समय में संस्कृति-परक शिक्षा की महत्ता पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. महेश मोहन पुकार, जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक कुमार अजय, शिक्षाधिकारी बृजेंद्र दाधीच तथा कैप्टन के.के. शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रसेन समग्र विकास समिति के अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा ने की। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की। इसके बाद नया प्रवेश लेने वाली बालिका निर्वी महर्षि को तिलक लगाकर विद्यालय का औपचारिक शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि विधायक हरलाल सहारण ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का समावेश अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि एपीएस एकेडमी न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेगी, बल्कि विद्यार्थियों में सांस्कृतिक मूल्यों का भी विकास करेगी। उन्होंने विद्यालय के संचालक एल.एन. इंदौरिया को बधाई देते हुए कहा कि पिछले 30 वर्षों से शिक्षा क्षेत्र में उनका योगदान सराहनीय रहा है और यह नई पहल भी आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार करेगी। जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक कुमार अजय ने कहा कि भारत की शिक्षा प्रणाली अन्य देशों की तुलना में निरंतर प्रगति कर रही है और इस प्रकार के संस्थान बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि युद्धों से भरे इस निर्मम समय में हर रचनात्मक शुरुआत एक उम्मीद, भरोसे और सृजन का प्रतीक है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. महेश मोहन पुकार ने विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिक्षाधिकारी बृजेंद्र दाधीच व बनवारी लाल शर्मा ने मूल्य-आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों एवं अभिभावकों ने विद्यालय परिसर का अवलोकन किया और कक्षा-कक्ष, खेल सुविधाएं, पेयजल, शौचालय, किचन तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं की सराहना की। बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा देने की आधुनिक पद्धतियों को भी सराहा गया। अंत में विद्यालय के संरक्षक बनवारी लाल इंदौरिया ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका अंकिता कोकचा ने किया। इस अवसर पर सिद्धि इंदौरिया, मनमोहन महर्षि, दलीप पूनिया, रामसिंह सिहाग, राजीव शर्मा, एडवोकेट योगेश शर्मा, नानू राम गोस्वामी, गजेंद्र महर्षि, चंद्रकांत शर्मा, दीपक शर्मा, शिक्षाविद रवि दाधीच, एडवोकेट मुकेश पीथीसरिया, कमल महर्षि, मीना शर्मा, किरण चोपड़ा सोनू पवार, ज्योति कुमारी, पूजा शर्मा, किशन उपाध्याय, ललित चौहान, संजय गोयल सहित बड़ी संख्या में नागरिक, अभिभावक व विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

## भालेरी पुलिस ने पक्षियों के लिए लगाए घोंसले

जयपुर टाइम्स

**तारानगर(निस)।** तारानगर क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का अनोखा उदाहरण देखने को मिला। उप पुलिस अधीक्षक रोहित सांखला की प्रेरणा से भालेरी थाने के समस्त पुलिस स्टाफ ने थानाधिकारी मांगूराम के नेतृत्व में सराहनीय पहल करते हुए सरकारी चालक कांस्टेबल श्रवण कुमार के जन्मदिवस को खास तरीके से मनाया। इस अवसर पर भालेरी पुलिस टीम ने भालेरी सहित आसपास के गांवों में सार्वजनिक स्थानों, पेड़ों और भवनों पर पक्षियों के लिए घोंसले लगाए। बढ़ती गर्मी और शहरीकरण के कारण पक्षियों के प्राकृतिक आवास कम होते जा रहे हैं, ऐसे में यह पहल उनके संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।
कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों ने आमजन को भी पक्षियों के प्रति जागरूक किया और अधिक से अधिक लोगों से अपने घरों व आसपास घोंसले लगाने तथा पानी के बर्तन रखने की अपील की। इस दौरान पुलिस टीम ने बताया कि छोटे-छोटे प्रयास भी पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। भालेरी पुलिस की इस अनूठी पहल की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है और यह चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस के इस सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्य की प्रशंसा करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया। यह पहल न केवल पक्षियों के संरक्षण में मददगार साबित होगी, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश भी देगी। इस मौके पर एएसआई नागरमल, भंवरलाल, हरफुल सिंह, सुशील, रामप्रसाद, हैड कॉंस्टेबल (एचएम) भैरुसिंह, विक्रमसिंह, कृष्ण कुमार, आसुचनाधिकारी कॉंस्टेबल रूपाराम, भवानी सिंह, संदीप, सुनील, अशोक, सुरेश सहित थाने का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

## ऋषिकुल में प्रतिभा सम्मान समारोह: मेधावियों का अभिनंदन

**जयपुर टाइम्स/लक्ष्मणगढ़(निस)।** ऋषिकुल स्कूल में कक्षा 10 एवं 12 के परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहने पर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के दौरान कक्षा 12 (आर्ट्स, कॉमर्स एवं साइंस) व कक्षा 10 में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर, माला व साफा पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल रहा।संस्था प्रधान डॉ. रेखा शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी मेहनत व शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने शत-प्रतिशत परिणाम को विद्यालय के लिए गर्व का विषय बताते हुए सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं तथा भविष्य में और बेहतर परिणाम के लिए प्रयासरत रहने की बात कही।कार्यक्रम का संचालन प्रियंका पारीक ने किया। इस दौरान विद्यालय स्टाफ के सदस्य शिवप्रसाद शर्मा, ज्योत्स्ना पांडे, सुनीता सैनी, मंजू तिवाड़ी, संजना शर्मा, शुभम शर्मा, प्रदीप पारीक, रमेश प्रजापत, लावण्या शर्मा, सपना यादव सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

## तीन शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में ओपीडी शुरू, आमजन को मिलेगी राहत

जयपुर टाइम्स

**लक्ष्मणगढ़(निस)।** चिकित्सा विभाग की ओर से राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत शहर में तीन शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में नियमित ओपीडी सेवाएं शुरू कर दी गई हैं। इन केंद्रों के संचालन से अब शहरवासियों को प्राथमिक उपचार एवं जांच सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगी। जानकारी के अनुसार आरोग्य मंदिरों में सुबह एवं शाम दोनों पारियों में ओपीडी सेवाएं दी जा रही हैं। यहां सामान्य बीमारियों का उपचार, निशुल्क दवाइयां तथा सामान्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही गर्भवती महिलाओं व बच्चों के टीकाकरण का कार्य भी नियमित रूप से किया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत योग, वेलनेस गतिविधियां एवं विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का भी संचालन किया जाएगा।वर्तमान में ये आरोग्य मंदिर अम्बेडकर भवन, खेल स्टेडियम के पास, नवलगढ़ रोड स्थित रेलवे अंडरब्रिज के निकट तथा जलदाय विभाग परिसर में अस्थायी रूप से संचालित किए जा रहे हैं। जलदाय विभाग स्थित केंद्र को मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद नरोड़ड़ा स्कूल भवन में शिफ्ट किया जाएगा।आरोग्य मंदिरों के शुरू होने से आसपास के नागरिकों को छोटी बीमारियों व सामान्य जांच के लिए जिला अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। पहले से संचालित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व जिला अस्पताल के साथ इन नई सुविधाओं के जुड़ने से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं और सुदृढ़ होंगी।

# आदर्श ग्रुप ऑफ एजुकेशन ने प्रतिभाओं को किया सम्मानित

## आदर्श टॉपर को हेलीकॉप्टर की यात्रा की दी सौगात

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** शहर के आदर्श ग्रुप ऑफ एजुकेशन में सीनियर सैकंडरी व सैकेंडरी बोर्ड परीक्षा में 90' से अधिक अंक वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए तपस्या 2026 का आयोजन किया गया। मां सरस्वती के चित्र के आगे निदेशक गिरीश लाटा, एकेडमिक डायरेक्टर राधेश्याम बढ़ाढ़रा, शिवरतन पारीक, आदर्श महाविद्यालय प्राचार्या डॉ मनीषा वर्मा, डॉ प्रमोद कुमार, हेमलता महर्षि व सचिव राधा लाटा ने राज्य मैरिट में आई छात्रा अंकिता चौधरी के साथ दीप प्रज्ज्वलन किया। निदेशक गिरीश लाटा ने अभिभावकों का स्वागत करते हुए बोर्ड परीक्षा परिणाम को उत्कृष्टम बताया। उन्होंने बताया कि विद्यालय की होनहार छात्रा अंकिता चौधरी पुत्री गोपीचंद पांडर गांव लूणासर ने 99' अंक प्राप्त कर राज्य मैरिट में पांचवा स्थान प्राप्त कर सरदारशहर को गौरवान्वित कर नया इतिहास रचा है। उन्होंने अंकिता चौधरी के परिश्रम को सैल्यूट करते हुए बताया कि संस्था का सपना पूरा कर साइंस मैरिट में आने पर अंकिता व उसके पिताश्री व माताश्री को जयपुर से खाटू श्याम जी हैलीकॉप्टर से ले जाकर श्याम प्रभु से विशेष आशीर्वाद लिया जाएगा। लाटा की इस घोषणा पर पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा तथा उपस्थित अभिभावक व विद्यार्थी झूमने लगे। लाटा ने बताया कि राज्य मैरिट के साथ ही 32 विद्यार्थियो के 95' से अधिक, 107 विद्यार्थियो के 90' से अधिक, 180 विद्यार्थियो के 85' से अधिक व 274 विद्यार्थी 80' से अधिक अंक संख्यात्मक के साथ गुणात्मकता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने बताया कि साइंस के साथ साथ कॉमर्स, एग्रीकल्चर, आर्ट्स व सैकेंडरी सभी संकायों में आदर्श के विद्यार्थियों टॉप कर चतुर्दशिक सफलता अर्जित की है। उन्होंने सफलता का श्रेय टीम आदर्श के कड़े परिश्रम, अभिभावकों के सहयोग व विद्यार्थियों की दिन रात मेहनत को दिया। समारोह में कॉमर्स संकाय टॉपर्स शिवम पींचा 97', बलवीर सिंह 97', सैकेंडरी टॉपर राजवीर भाकर 96.83', लीना पारीक 96.83', आर्ट्स टॉपर प्रियांशी शर्मा 96.60', एग्रीकल्चर टॉपर किसनदास स्वामी 96.20' सहित 250 से अधिक प्रतिभाओं को आदर्श ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। अभिभावक आदर्श के इस रिजल्ट से बेहद प्रसन्न आ रहे थे तथा एक दूसरे के गुलाल लगाकर बधाईयां दे रहे थे। अनेक अभिभावक व विद्यार्थियों ने अपने विचार रखकर आदर्श प्रयासों की सराहना की। मैरिट में आई आदर्श गौरव अंकिता चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता व गुरुजनों को दिया। उसने आदर्श टेस्ट सीरीज, आदर्श महासंग्राम को भी सफलता का श्रेय दिया। अंकिता ने बताया कि विद्यालय में जितने प्रयास होते है वो अतुलनीय है। उसने बताया कि वो डॉक्टर बनकर असहाय लोगों की मदद करना चाहती है। समारोह के समापन वंदेमातरम के साथ किया गया।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।